गुस्ताखी माफ

केवल पंद्रह मिनट की, हुई मित्रवर बात।
इस चक्कर में काट दी, बिजली सारी रात।
बिजली सारी रात, करवटें रहे बदलते।
इन्वर्टर भी गया, गुजारी पक्खी झलते।
कह साहिल कविराय, दूर हो फ्री की खुजली।
पैसे ले लो भले, मगर आये तो बिजली।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 105 | SUNDAY 26-04-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER   Visit at : www.uturntime.com

पंजाब राजनितिक शतरंज : आप और भाजपा में हरपल शह और मात का खेल

लुधियाना/यूटर्न/25 अप्रैल। आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसद भाजपा में शामिल होने के बाद आप पार्टी अलर्ट मोड पर आ चुकी है। जिसके चलते पार्टी द्वारा अपना एकजुटता का समर्थन दिखाना शुरू कर दिया गया है। जिसके चलते पंजाब के सीएम भगवंत मान की औरसे राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा गया है, ताकि वे अपना समर्थन दिखा सकें। बेशक राघव चड्ढा और संदीप पाठक को आप पार्टी का एक तरीके से चणक्य माना जाता था। लेकिन उसी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और सीएम भगवंत मान भी कहीं कम नहीं है। उनकी पहचान भी एक अच्छे और दूरअंदेशी सोच वाले लीडरों के तौर पर होती है। अब वह भी चाणक्य नीति खेल रहे हैं। उनकी तरफ से डब्बल स्ट्रेटजीं अपनानी शुरू कर दी गई है। वहीं कहते हैं कि राजनीति का मतलब दिखाना कुछ, करना कुछ और होना कुछ और होता है।

ऐसे ही कुछ अब देखने को मिल रहा है। कहने को तो शनिवार आप नेताओं व वर्करों द्वारा पार्टी छोड़कर गए सात सांसदों के घरों के बाहर प्रदर्शन किया गया हैं, लेकिन असलियत में यह पार्टी के विधायकों के लिए एक तरह का ट्रेलर है। जो विधायक इन सात नेताओं को देखकर दूसरी पार्टी में जाने की तैयारी में थे और उनके मन में कई तरह के खवाब जाग रहे थे, उन्हें दबाने का यह प्रयास माना जा है।

कई विधायकों के लिंक में हो सकते बागी नेता... दरअसल, संदीप पाठक और राघव चड्ढा द्वारा पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 के दौरान पंजाब में पार्टी बनाने के दौरान अहम रोल अदा किया गया था। विधायकों को पार्टी में शामिल करने, टिकटें बांटने और मीटिंगें करने में उनका अहम योगदान था। जिसके चलते माना जा रहा है कि उक्त सात सांसद अभी भी कई विधायकों के संपर्क में हो सकते हैं। ऐसे में पार्टी सांसद तो गंवा चुकी है, लेकिन विधायक नहीं गंवाना चाहती। जिनके खवाब थे कि हम भी चले जाएंगे, उन विधायकों को एक उदाहरण दे दी गई है।

कई बड़े लीडर बागियों की टीम में शामिल... वहीं चर्चा है कि पंजाब के कई लीडर बागी लीडरों की टीम में शामिल है। जिसमें कई चेयरमैनशिप पर मौजूद है। लुधियाना से संबंधित एक चेयरमैन, वकील, चुनाव के पूर्व इंचार्ज व जालंधर की एक महिला मुख्य रुप से शामिल है। चर्चा है कि अब उक्त टीम के नेता आप पार्टी के बाकी वर्करों को भी तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में चर्चा है कि जल्द पार्टी इन्हें भी एक तरफ कर सकती है।

भाजपा हमारे कामों से डरी

सीएम मान ने कहा कि भाजपा वाले हमारी सरकार के कामों से डरे हुए हैं। इन्होंने जरूर सर्वे करवाया होगा, जिसमें उन्हें पता चला होगा कि उनकी स्थिति बिल्कुल मजबूत नहीं है। इसलिए हमारी पार्टी को तोड़ने की कोशिश की गई। पंजाबी दिल से प्यार करते हैं, लेकिन अगर कोई उनसे धोखा करता है, तो वे उसे पीढ़ियों तक याद रखते हैं। अमित शाह को यह बात पसंद नहीं आई होगी कि भगवंत मान का कोई विकल्प नहीं है। रवनीत बिट्टू तीन-चार दिन पहले राघव चड्ढा को गालियां निकाल रहे थे। अब कैसे मिलेंगे।

हरभजन को काम न मिलने का डर, मित्तल रेड से डरे

वित्तमंत्री हरपाल चीमा ने कहा कि अब सबसे बड़ा टेस्ट उपराष्टपति का है। आप के सिर्फ 3 सांसद भाजपा में गए हैं, इसलिए दलबदल कानून लागू होता है। राघव चड्ढा का 7 सांसदों के साइन का दावा है, लेकिन स्वाति मालीवाल ने अपने ट्वीट में कहीं पर भी नहीं कहा गया है कि उन्होंने साइन किए हैं। चीमा ने कहा रजिंदर गुप्ता विदेश में अपनी बाइपास सर्जरी करवाने गए हैं। इन दोनों के फर्जी हस्ताक्षर हैं। इनके हस्ताक्षर सिर्फ सात मेंबर दिखाने के लिए किया गया है। 7 मेंबर एक साथ जाने चाहिए थे, तब कानून से बच सकते थे। इनके पास 18 महीने का ही टाइम बचा है। चीमा ने कहा कि हरभजन सिंह को इसलिए आगे लेकर आए थे कि वो युवाओं को रास्ता दिखाएगा लेकिन वो गद्दार बनकर भाग गया। उसे डर है कि बीजेपी उसकी क्रिकेट में कमेंट्री बंद करवा देगी। अशोक मित्तल ईडी की रेड से डर गए।

पार्टी को पहले ही हो चुका था अंदेशा... चर्चा है कि पार्टी को पहले ही बागी हुए लीडरों के बारे में अंदेशा हो चुका था। जिसके चलते पार्टी द्वारा लगातार उनसे दूरी बनाई जा रही थी। यहीं नहीं उनकी टीम में शामिल पंजाब के कई लीडरों को भी साइड लाइन किया जा रहा था। ऐसे में चर्चा है कि पार्टी पहले से इस हलचल के लिए तैयार थी। इसी लिए आप पार्टी द्वारा पहले ही चड्ढा व अन्य लीडरों के बागी सूर का खुलासा कर दिया था।

ੴ

ਜੇਹਾ ਚੀਰੀ ਲਿਖਿਆ ਤੇਹਾ ਹੁਕਮੁ ਕਮਾਹਿ ।
ਘਲੇ ਆਵਹਿ ਨਾਨਕਾ ਸਦੇ ਉਠਿ ਜਾਹਿ ॥

IN LOVING MEMORY OF

SARDAR DARSHAN SINGH CHAWLA

(RETIRED SUPERINTENDENT JUDICIAL)

(12.04.1933 – 22.04.2026)

A life lived with dignity, grace, and wisdom.
His presence brought strength and warmth to all who knew him.
His values, love, and blessings will forever remain in our hearts.

ON SUNDAY 26 APRIL 2026 | FROM 1:15 PM TO 2:15 PM

AT

GURUDWARA SINGH SABHA
SARABHA NAGAR, LUDHIANA

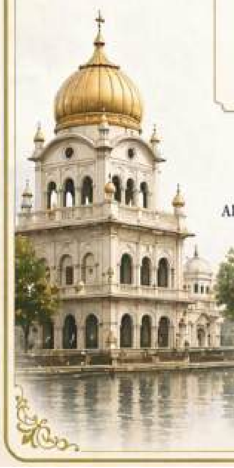

GRIEF STRICKEN

DR. AJIT SINGH CHAWLA & DR. NEENA CHAWLA (SON & DAUGHTER IN LAW)
ADV. DAMANDEEP SINGH CHAWLA & HARPREET KAUR (SON & DAUGHTER IN LAW)
DR. ANEET SINGH CHAWLA & DR. AASTHA BHASKAR CHAWLA (GRAND SON & GRAND DAUGHTER IN LAW)
DR. JASNEET SINGH CHAWLA & DR. TRISHA ARORA (GRAND SON & GRAND DAUGHTER IN LAW)
RAJ KARAN SINGH CHAWLA (GRAND SON)
GUNIKA KAUR CHAWLA (GRAND DAUGHTER)

Followed by Langer

Mob: 98140-34501, 98147-13054

गुरजीत ईस्सापुर की अध्यक्षता में प्रेस क्लब डेराबस्सी (2589) की सर्वसम्मति से चुनी गई मैनेजमेंट

डेराबस्सी/यूटर्न/25 अप्रैल। प्रेस क्लब सबडिवीजन डेराबस्सी रजि. 2589 के नव नियुक्त प्रधान गुरजीत सिंह ईस्सापुर की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कमेटी द्वारा सर्वसम्मति से मैनेजमेंट फाइनल की गई। आउटगोउंग प्रेसिडेंट मनोज राजपूत को चेयरमैन, रणबीर सिंह पड़ी को चीफ कन्वीनर व सुखविंदर सिंह सैनी को उपचेयरमैन बनाया गया। लालडू से चंद्रपाल अत्री को महासचिव, विद्यासागर को फाइनेंस सेक्रेटरी, डॉ दिनेश मित्तल व गुरमिंदर बब्बू को सीनियर उपप्रधान, राजबीर सैनी, सुरजीत सिंह कुहाड़ व दयानंद बबली को उपप्रधान, प्रितपाल बाछल को सेक्रेटरी, सुखविंदर सिंह सुक्खी को प्रेस सेक्रेटरी, कनाडा से सुरिंदर सिंह बाछल को ओवरसीज सेक्रेटरी, लोहित सैनी और विनय जैन को जॉइंट सेक्रेटरी चुना गया। पुष्पिंदर कौर को प्रोजेक्ट चेयरपर्सन व संजीव सैनी को प्रोजेक्ट सेक्रेटरी के अलावा श्याम सिंह संधू, अतर सिंह व इकबाल सिंह सैनी को प्रेस क्लब का सरपरस्त व रोहित गुप्ता को कार्यकारी सदस्य बनाया गया। प्रधान गुरजीत सिंह ईस्सापुर ने कहा कि क्लब के सभी सदस्यों के साथ मिलकर अधिकतम सामाजिक कार्य करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष पांच वर्षों से पांच दर्जन से अधिक सरकारी स्कूलों के जरूरतमंद सैकड़ों बच्चों को मुफ्त कॉपी किताबें, बैग और स्टेशनरी वितरित की जा चुकी है जबकि रक्तदान व मेडिकल शिविर इस बार भी लगाए जाएंगे।

महिला आरक्षण बिल के समर्थन में डेराबस्सी से सैकड़ों महिलाएं चंडीगढ़ रवाना

डेराबस्सी/यूटर्न/25 अप्रैल। हलका डेराबस्सी के वरिष्ठ भाजपा नेता गुरदर्शन सिंह सैणी के नेतृत्व में शनिवार को सैकड़ों महिलाएं महिला आरक्षण बिल के समर्थन में चंडीगढ़ के लिए रवाना हुईं। यह जत्था पंजाब भाजपा द्वारा आयोजित रोष मार्च में शामिल होने के लिए भेजा गया। बताया गया कि इस मार्च में 200 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। इस दौरान गुरदर्शन सिंह सैणी ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है और उनके सशक्तिकरण के लिए कभी ईमानदारी से काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक ह्लनारी शक्ति वंदन अधिनियमह्व का कांग्रेस द्वारा पूरा समर्थन न करना महिलाओं के साथ विश्वासघात है। उन्होंने कहा कि इस बिल का उद्देश्य संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करना है, जिससे वे निर्णय प्रक्रिया और शासन में बराबरी की भागीदारी निभा सकें। सैणी ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर केवल देरी की राजनीति और अवसरवाद दिखाया है। भाजपा नेता ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक क्रांतिकारी कदम है, जो देशभर की महिलाओं को सशक्त बनाएगा और उन्हें उच्च स्तर के निर्णय लेने वाली संस्थाओं में उचित प्रतिनिधित्व दिलाएगा। उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं।

LMA की फायरसाइड चैटः अतुल रहेजा ने साझा किया ऑनलाइन मार्केटप्लेस का भविष्य

लुधियाना/यूटर्न/25 अप्रैल। LMA ने 23 अप्रैल 2026 को रेडिसन ब्लू होटल के मालवा हॉल में 'लाइफलॉन्ग ग्रुप की यात्रा और ऑनलाइन मार्केटप्लेस का भविष्य' विषय पर एक प्रभावशाली फायरसाइड चैट का आयोजन किया। इस सत्र के मुख्य वक्ता लाइफलॉन्ग ग्रुप के चेयरमैन अतुल रहेजा रहे, जिन्होंने अपने उद्यमशील सफर, चुनौतियों और बिजनेस को सफलतापूर्वक विस्तार देने के अनुभव साझा किए।

कार्यक्रम की शुरूआत शाम 7 बजे छटअ के अध्यक्ष गौरव मुंजाल के स्वागत संबोधन से हुई, जबकि महासचिव शोभन सोई ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया। अतुल रहेजा को सम्मान स्वरूप पुष्पगुच्छ भेंट किया गया। अपने संबोधन में रहेजा ने बदलते बाजार में सफलता के लिए अनुकूलन क्षमता, निरंतर नवाचार, उपभोक्ता व्यवहार की समझ और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर मजबूत रणनीति को जरूरी बताया। उन्होंने ई-कॉमर्स के बढ़ते दायरे और लाइफलॉन्ग ग्रुप के विकास पर भी प्रकाश डाला। सत्र का संचालन गौरव जैन और गौतम सिकरी ने किया, जिससे चर्चा और भी रोचक बनी। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र भी हुआ, जिसमें दर्शकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अंत में विजय मुंजाल, अभा सिकरी और सवनीत चावला द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया तथा अश्विन नागपाल ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। कार्यक्रम का समापन नेटवर्किंग डिनर के साथ हुआ।

कारोबारी ने वीडियो बना सुसाइड किया, बोला- सांस लेने लायक नहीं छोड़ा, डीएसपी, कोर्ट रीडर, टाइपिस्ट और वकील को बताया जिम्मेदार

पंजाब/यूटर्न/25 अप्रैल। बठिंडा में एक रेत-बजरी कारोबारी ने कोर्ट रीडर पर धोखाधड़ी का आरोप लगाकर सुसाइड कर लिया। सुसाइड से पहले उसने रात में फेसबुक पर एक वीडियो भी डाली। इसमें उसने कहा कि सिटी डीएसपी-वन अमृतपाल भाटी, जज की रीडर, उसके टाइपिस्ट पति और एक वकील मिलकर मुझे प्रताड़ित कर रहे हैं। मेरा जीना मुश्किल कर दिया है। वीडियो में आगे कहता है कि डीएसपी और कोर्ट कर्मचारी हर रोज घर के बाहर आकर हंगामा करते हैं। दिन में 100 बार कॉल करते हैं। सभी ने सांस लेने लायक नहीं छोड़ा है, जिसके चलते मैं अब जहर खाने को मजबूर हूं। कल सुबह मैं खत्म मिलूंगा। पोस्ट के बाद जब तक पुलिस उसके घर पहुंची, तो उसकी मौत हो चुकी थी। एसपी सिटी बठिंडा नरिंदर सिंह ने बताया कि पुलिस ने मृतक संदीप कुमार के भाई मनीष कुमार के बयान पर तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इनमें से दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और तीसरे व्यक्ति को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की जा रही है।

कारोबारी ने मरने से पहले ये वीडियो बनाया।

विलाप करते हुए परिजन

कोर्ट टाइपिस्ट और उसकी पत्नी ने ठगा

वीडियो में कारोबारी ने आरोप लगाया कि मेरा नाम संदीप कुमार उर्फ सोनू बंसल है। मैं नई बस्ती, गली नंबर दो, बठिंडा का रहने वाला हूं। मुल्तानिया रोड पर मेरी सीमेंट, रेते व बजरी की दुकान 'डी.एल. एंड कंपनी' के नाम से है। मेरा एक कस्टमर है, ड्रीम सिटी में प्लॉट नंबर 271 है। उसका नाम रमन जैन है, जो कचहरी में टाइपिस्ट का काम करता है। उनकी पत्नी रेनु बाला जज की रीडर है। चाचा सीनियर वकील हैं। सभी ने मिलकर धोखाधड़ी की और अब जीना मुश्किल कर दिया है।

सीमेंट लेकर धमका रहे

वीडियो में सोनू कहता है- कोर्ट टाइपिस्ट ने कोठी बनाने की बात कहकर मुझसे एडवांस में सीमेंट और बजरी बुक करवा ली। मैंने रेगुलर माल दिया। लेकिन मेरा एक माइनस प्वाइंट ये था कि मैं कच्ची पेमेंट लेता था और कोई रसीद नहीं देता था। मैंने एक 8 लाख की एंट्री अपनी पत्नी के अकाउंट में करवा दी, इसके बाद इन्होंने मुझे पैसे वापस करने की धमकियां देनी शुरू कर दी। सोनू ने कहा कि कोर्ट कर्मचारियों ने मुझसे माल लिया और उसके पैसे गूगल पे किए। लेकिन बाद में कोर्ट रीडर की पत्नी और उसके चाचा धमकियां देने लगे कि पैसे वापस दे, नहीं तो केस कर दूंगा। उन्होंने पुलिस में भी शिकायत कर दी। मेरे पास रसीद न होने के चलते मुझे फंसाया गया। मेरे से माल ले लिया तो मैं पैसे क्यों वापस करूंगा।

डीएसपी भी धमका रहे

मेरे पर केस डाला है कि मैंने इन लोगों से उधार लिया। ये ऑनलाइन पेमेंट का आरोप लगा रहे। डीएसपी-1 अमृतपाल भाटी भी इनके साथ मिलकर धमका रहे हैं। सेशन जज से केस डलवाने और करंट लगाने की धमकी दी जा रही। ये लोग हर रोज 100 फोन करते हैं। मेरा खून चूस लिया है। मुझे मरने पर ला दिया है। मैं कल सुबह मरा मिलूंगा। मेरे मरने के जिम्मेदार यह लोग होंगे। इस संबंध में डीएसपी सिटी-2 अरुण मुंडन ने बताया कि रमन ओर उसकी पत्नी रेणु को गिरफ्तार कर लिया गया है। डीएसपी पर आरोपों की जांच पड़ताल की जा रही है।

श्मशान घाट के प्रस्ताव का विरोध, निवासियों ने जताई नाराजगी

जीरकपुर/यूटर्न/25 अप्रैल। एयर फोर्स सोसाइटी के पीछे खाली पड़ी सरकारी जमीन पर श्मशान घाट बनाने के प्रस्ताव का स्थानीय निवासियों ने कड़ा विरोध जताया है। क्षेत्र की विभिन्न सोसाइटियों और एयर फोर्स सोसाइटी के लोगों ने एकजुट होकर प्रशासन से इस योजना पर पुनर्विचार करने की मांग की है।

विरोध कर रहे निवासियों का कहना है कि रिहायशी इलाके के पास श्मशान घाट बनाए जाने से लोगों की भावनाओं पर असर पड़ेगा और आसपास का वातावरण भी प्रभावित होगा। उनका मानना है कि यह स्थान आवासीय क्षेत्र के बीच होने के कारण इस तरह के निर्माण के लिए उपयुक्त नहीं है।

Uturn Time 26 Apr 2026_Layout 2 26-04-2026 00:26 Page 3

पेज 06 मां बगलामुखी धाम में महंत प्रवीण चौधरी के सानिध्य...

आगे कुआँ, पीछे खाई: राजिंदर गुप्ता, हरभजन और अशोक मित्तल की आप ने शामत लाई

चंडीगढ़/यूटर्न/25 अप्रैल। राजिंदर गुप्ता, अशोक मित्तल और हरभजन सिंह के घरों के बाहर 'गद्दार' लिखे भित्तिचित्रों (graffiti) का दिखना, पेंट से ज्यादा राजनीति से जुड़ा मामला है। यह एक संदेश देता है—न सिर्फ.इन तीनों लोगों को, बल्कि हर उस विधायक को जो आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच चल रही उथल-पुथल को किनारे खड़े होकर देख रहा है।

क्या इसका मकसद दूसरों को पाला बदलने से रोकना है? लगभग निश्चित रूप से हाँ। क्या इसका मकसद 'ऑपरेशन लोटस' के किसी भी रूप को नाकाम करना है? पंजाब के राजनीतिक गलियारों में कई लोग इस घटना के पीछे यही छिपा हुआ अर्थ देख रहे हैं। चेतावनी सीधी है: पाला बदलने पर साख को—और शायद संस्थागत रूप से भी—नुकसान उठाना पड़ेगा। एक ऐसे राज्य में जहाँ राजनीतिक वफादारी ऐतिहासिक रूप से बदलती रही है, लेकिन उस पर कड़ी नजर रखी जाती है, इस तरह के सार्वजनिक संकेतों का मतलब और भी गहरा हो जाता है।

सरकार किस हद तक जा सकती है?

कानूनी सीमाओं के भीतर रहते हुए भी, पंजाब सरकार दबाव बढ़ा सकती है। पिछले उदाहरणों से पता चलता है कि सरकारी ताकत का इस्तेमाल ऐसे तरीकों से किया जा सकता है जो औपचारिक रूप से तो कानूनी होते हैं, लेकिन राजनीतिक रूप से काफी अहम होते हैं।

पूरे भारत में, इसी तरह के पैटर्न देखने को मिले हैं। साथ ही, इखढ पर भी यह ज़िम्मेदारी होगी कि वह अपने नए शामिल हुए सदस्यों को राजनीतिक रूप से सुरक्षा दे। पार्टी ने अतीत में, उन लोगों के पीछे मजबूती से खड़े होकर उनका साथ दिया है जिन्हें वह निशाना बनाया गया मानती है—खास तौर पर कंगना रनौत के मामले में, जब उनका महाराष्ट्र सरकार से टकराव चल रहा था। अगर गुप्ता, मित्तल और हरभजन सिंह को पंजाब में लगातार पड़ रहे दबाव का सामना करना है, तो यहाँ भी उन्हें इसी तरह के समर्थन की जरूरत पड़ सकती है।

भितिचित्रों से परे एक संदेश

कानूनी तौर पर, ये तीनों नेता सुरक्षित हैं। भारत का संवैधानिक ढाँचा और अदालतें—जिनमें भारत का सर्वोच्च न्यायालय भी शामिल है—पूरी तरह से गैर-कानूनी कार्रवाई के खिलाफ एक सुरक्षा कवच का काम करती हैं। लेकिन कानून और दबाव के बीच का दायरा काफी बड़ा है। सरकारों के पास पुलिस कार्रवाई, स्थानीय प्रशासन, नियामक जाँच-पड़ताल और सार्वजनिक विमर्श पर नियंत्रण होता है—ये ऐसे औजार हैं जो बिना किसी कानूनी सीमा को लाँघे, किसी की भी राजनीतिक ज़िंदगी को मुश्किल बना सकते हैं। राजनीतिक विश्लेषक प्रोफेसर कंवल प्रीत कहते हैं कि ये घटनाक्रम एक सोची-समझी रणनीति को दर्शाते हैं। हम जो देख रहे हैं, वह एक नपा-तुला दबाव है। हो सकता है कि यह आसानी से कानूनी सीमा को न लाँघे, लेकिन इसे इस तरह से तैयार किया गया है कि यह दूसरों को ऐसा करने से रोके। संदेश एकदम साफ है—पाला बदलने की कोई न कोई क़ीमत जरूर चुकानी पड़ेगी। प्रोफेसर सुखविंदर सिंह इसकी तुलना और भी तीखे अंदाज में करते हैं। आम आदमी पार्टी (अअढ) काफी हद तक बीजेपी की तरह ही काम कर रही है। हमने काफी मामलों में यही देखा। यह तो 'कड़ाही से निकलकर आग में कूदने' जैसा ही एक जीता-जागता उदाहरण है।

ममता आशु: सियासत वादे सी या सच्चाई कि पंजाब मसले भूल गए आहे, कि कुर्सी ली हर राह कबूल है ममता आशु की यह बात पंजाब की पॉलिटिक्स में वादे और काम के बीच की अजीब सी जगह को सीधे काटती है। जब वह पूछती हैं कि क्या यह सब सिर्फ वादे (वादे) थे या सच्चाई (सच्चाई), तो वह सत्ता में बैठे उन लोगों की नैतिक साख पर सवाल उठा रही हैं जो कभी जनता के गुस्से और उम्मीद के सहारे सत्ता में आए थे। उनका सबसे तीखा आरोप दूसरे हिस्से में है — कि पंजाब के असली मुद्दे भुला दिए गए लगते हैं।

ये कोई छोटी-मोटी चिंताएं नहीं हैं: बेरोजगारी, ड्रग्स का गलत इस्तेमाल, खेती की तंगी, और एक कमजोर इंडस्ट्रियल बेस। यह सुझाव देकर कि 'कुर्सी ली हर राह कबूल है' (सत्ता के लिए हर रास्ता स्वीकार्य है), आशु राजनीतिक अवसरवाद की ओर इशारा कर रहे हैं — गठबंधन, बयानबाजी, और निर्णय सार्वजनिक भलाई से कम और पद पर बने रहने की मजबूरियों से अधिक प्रेरित हैं।

बिक्रम सिंह मजीठिया - 'AAP के अरोड़ा भी चल पड़े'

बिक्रम सिंह मजीठिया की यह टिप्पणी कि AAP के 'अरोड़ा भी चल पड़े', व्यक्तियों और पार्टी की आंतरिक कार्यप्रणाली, दोनों पर एक तीखा और गहरा कटाक्ष है। 'अरोड़ा' उपनाम वाले दो मंत्रियों की मौजूदगी का ज़िक्र करते हुए, मजीठिया इस धारणा की ओर इशारा कर रहे हैं कि पार्टी के ढांचे के भीतर योग्यता या प्रदर्शन के बजाय पहचान, नजदीकी या पक्षपात ज्यादा मायने रख सकता है। 'भी चल पड़े' वाक्यांश में एक व्यंग्य छिपा है — जो यह संकेत देता है कि उनका उदय या उनकी चर्चा, जनता की स्वीकृति से ज्यादा राजनीतिक सुविधा का नतीजा है।

इस पूरे मामले के मूल में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (AAP) की एक गहरी चिंता छिपी है: 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले विधायकों के पार्टी छोड़कर जाने (exodus) को रोकना। मित्तल या गुप्ता जैसे राज्यसभा सदस्यों के पास मौजूदा विधायकों जैसा जमीनी जनाधार नहीं होता; इसी वजह से वे प्रतीकात्मक रूप से तो महत्वपूर्ण होते हैं, लेकिन राजनीतिक रूप से उनका प्रभाव उतना ज्यादा नहीं होता। असली खतरा तो विधायकों के बीच 'डोमिनो इफेक्ट' (एक के बाद एक पाला बदलने का सिलसिला) शुरू होने का है—अगर कुछ विधायक पाला बदल लेते हैं, तो हो सकता है कि उनके पीछे-पीछे दूसरे विधायक भी ऐसा ही करने लगें।

इसके साथ ही, राजनीतिक रसूख या वजन से जुड़ा एक सवाल भी यहाँ मौजूद है। हरभजन सिंह, अपनी पब्लिक प्रोफाइल के बावजूद, पंजाब की अस्थिर, जमीनी राजनीति के मामले में नवजोत सिंह सिद्धू जैसे नहीं हैं—जहाँ अक्सर संगठनात्मक गहराई और बोलने की ताकत ही यह तय करती है कि कोई टिक पाएगा या नहीं। अगर मुकाबला कड़ा होता है, तो यह कमी भारी पड़ सकती है।

जानकारों का कहना है कि यह रणनीति दोहरी लगती है—पब्लिक मैसेजिंग के जरिए डर पैदा करना और अपनी ताकत दिखाकर यह संकेत देना कि सब कुछ उनके कंट्रोल में है। राजनीति में, धारणा अक्सर कानून से ज्यादा तेजी से फैलती है, और कभी-कभी ज्यादा निर्णायक भी साबित होती है। पर ये सब आप ने बीजेपी से ही सीखा है -- अपना उल्लू सीधा करने के लिए हाथ मरोड़ना!

Uturn Time 26 Apr 2026_Layout 2 26-04-2026 00:26 Page 4

हरियाणा में कार में मिला पंजाब के इंस्पेक्टर का शव, सीटों के बीच फंसा था, पास में पिस्टल पड़ी थी

पंजाब/यूटर्न/25 अप्रैल। हरियाणा के सिरसा में पंजाब के एक्साइज डिपार्टमेंट के एक इंस्पेक्टर का शव कार में पड़ा मिला। यह कार डबवाली के पास अमृतसर-जामनगर भारतमाला रोड पर हाईवे किनारे खड़ी थी। काफी देर तक कार में कोई हलचल नहीं होने पर आसपास के लोगों ने मौके पर जाकर देखा। जांच करने पर इंस्पेक्टर फ्रंट की दोनों सीटों के बीच फंसे हुए मिले। पास में ही सरकारी पिस्टल पड़ी थी। सूचना मिलते ही डबवाली पुलिस मौके पर पहुंची। मोबाइल नंबर और आईडी कार्ड के आधार पर पुलिस ने परिवार को सूचना दी। वहीं, परिवार ने घटना पर शक जताते हुए कहा कि इंस्पेक्टर अपनी तैनाती स्थल से करीब 200 किलोमीटर दूर यहां कैसे पहुंचे, उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। फिलहाल, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही

इंस्पेक्टर की पिस्टल को भी जब्त कर जांच शुरू कर दी गई है।

कालांवाली पुल के पास खड़ी मिली कार

मृतक इंस्पेक्टर की पहचान कर्मजीत सिंह (45) के रूप में हुई है, जो लुधियाना के चीमा गांव के रहने वाले थे। वे वर्तमान में मोगा में एक्साइज विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत थे। राहगीरों ने शुक्रवार रात करीब 12 बजे उनकी कार को कालांवाली पुल के पास सड़क किनारे खड़ा देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी।

दो सीटों के बीच फंसी थी डेडबॉडी

सूचना मिलने पर डबवाली पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के दौरान पाया गया कि इंस्पेक्टर का शव कार की फ्रंट सीटों के बीच फंसा हुआ था। सीट बेल्ट लगी हुई थी और पास में सरकारी पिस्टल पड़ी थी। पुलिस ने मृतक के मोबाइल नंबर और आईडी कार्ड के आधार पर परिजनों को सूचना दी। परिजनों के पहुंचने के बाद शव को डबवाली के नागरिक अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया।

बलटाना बाजार की गली बनी मुसीबत, डेढ़ महीने से अधूरा पड़ा टाइल्स कार्य

उखड़ी सड़क और टूटी सीवरेज लाइनें दे रहीं हादसों को न्योता

जीरकपुर/यूटर्न/25 अप्रैल। बलटाना स्थित मुख्य बाजार वाली गली इन दिनों स्थानीय निवासियों और दुकानदारों के लिए मुसीबत का सबब बनी हुई है। नगर परिषद की ओर से टाइल्स लगाने का काम पिछले करीब डेढ़ महीने से कछुआ गति से चल रहा है, जिससे न केवल व्यापार ठप है, बल्कि लोगों का पैदल चलना भी दूभर हो गया है। हालात इस कदर बदतर हैं कि पूरे रास्ते को खोदकर लावारिस छोड़ दिया गया है, जिससे रोजाना दोपहिया वाहन चालक गिरकर घायल हो रहे हैं।

मजदूरों के ठेकेदार का आरोप; मजदूरों को समय से नहीं मिल रहा पैसा

मामले में नया मोड़ तब आया जब काम रुकने के पीछे ठेकेदार ने नगर परिषद पर गंभीर आरोप लगाएं हैं। मजदूरों के ठेकेदार का कहना है कि नगर परिषद मजदूरों (लेबर) का भुगतान नहीं कर रही है। फंड की कमी के कारण काम रोकना पड़ा। यदि परिषद समय पर पैसा जारी कर दे, तो यह काम महज एक सप्ताह के भीतर पूरा किया जा सकता है।

हादसों को न्योता दे रहा उबड़-खाबड़ रास्ता

स्थानीय निवासियों ने बताया कि यह सड़क बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सीधे पंचकूला के सेक्टर-19 को जोड़ती है। दिनभर में यहां से हजारों वाहन गुजरते हैं। नगर परिषद ने डेढ़ महीना पहले पूरी सड़क उखाड़ दी थी, लेकिन उसे पूरा करना भूल गई। जगह-जगह सीवरेज के ढक्कन टूटे हुए हैं, जिनमें चार पहिया वाहनों के टायर फंस रहे हैं। सबसे अधिक चिंता स्कूली बच्चों को लेकर है। संकरी और उबड़-खाबड़ गली से जब स्कूल बसें गुजरती हैं, तो हादसे का डर बना रहता है।

भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण के आरोप

स्थानीय लोगों का गुस्सा केवल देरी को लेकर नहीं, बल्कि काम की गुणवत्ता को लेकर भी है। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पुरानी सड़क अच्छी स्थिति में थी, लेकिन चुनाव को देखते हुए फिजूलखर्ची की जा रही है। नई लगाई जा रही टाइल्स की गुणवत्ता पुरानी टाइल्स के मुकाबले बेहद खराब है। टाइल्स लगाते समय पानी की निकासी का कोई इंतजाम नहीं किया गया है। यहां तक कि पुराने गटर के ढक्कनों को भी टाइल्स के नीचे दबा दिया गया है, जिससे मानसून में जलभराव का खतरा बढ़ गया है। मौके पर विरोध करने वालों में राम भज गर्ग, ईश्वर, असाक्ष बंसल, चंदी राम, नवीन जिंदल, पुनीत, मणि शर्मा, नेहा शर्मा और सीता राम मुख्य रूप से शामिल रहे।

3 साल से फरार भगौड़ा नशा तस्कर को क्राइम ब्रांच ने किया काबू, 8 साल पहले हेरोइन तस्करी करते पकड़ा गया था

पंचकूला/यूटर्न/25 अप्रैल। नशीले पदार्थों के तस्करों और कानून से बच रहे अपराधियों के खिलाफ छेड़े गए विशेष अभियान में पंचकूला पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। क्राइम ब्रांच सेक्टर-26 की टीम ने तत्परता दिखाते हुए एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसे माननीय न्यायालय ने करीब 3 साल पहले भगोड़ा (पीओ) घोषित कर दिया था। पकड़ा गया आरोपी आशिफ जो मूल रूप से चंडीगढ़ का रहने वाला है, लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहा था, लेकिन क्राइम ब्रांच सैक्टर-26 इन्चार्ज इंस्पेक्टर दलीप सिंह की अगुवाई में टीम की मुस्तैदी से आरोपी को 24 अप्रैल को काबू कर लिया गया था।

डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह : आरोपी आशिफ का आपराधिक इतिहास वर्ष 2018 से जुड़ा है। आरोपी उस वक्त हेरोइन की तस्करी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया था। गिरफ्तारी के बाद मामला अदालत में विचाराधीन था, परंतु जमानत मिलने के बाद आरोपी कानूनी प्रक्रिया का सम्मान करने के बजाय पेशी से गैर-हाजिर होकर फरार हो गया। उसकी इस हरकत पर कड़ा संज्ञान लेते हुए न्यायालय ने करीब 3 साल पहले पीओ घोषित कर दिया था। आरोपी को आज कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

24 घंटे के भीतर चोरी की 4 कीमती साइकिलों समेत आरोपी गिरफ्तार, कीमत करीब 80 हजार रुपये

- सभी साइकिलें पंचकूला के सैक्टर-15/16 से चोरी कर विकाश नगर नाका के पास झाड़ियों में छिपाई, आरोपी के खिलाफ पहले भी एक आपराधिक मामला दर्ज

पंचकूला/यूटर्न/25 अप्रैल। अपराधों पर अंकुश लगाने और चोरी की वारदातों पर प्रभावी कार्रवाई करने के अभियान के तहत पंचकूला पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना सेक्टर-14 की पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए साइकिल चोरी के एक मामले का न केवल 24 घंटे के भीतर खुलासा किया, बल्कि आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई चार साइकिलें भी बरामद की हैं। 23 अप्रैल को सेक्टर-15 निवासी एक व्यक्ति ने थाना सेक्टर-14 में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके घर के गेट के भीतर से उसकी कीमती साइकिल चोरी हो गई है। शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 305 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर अजय कुमार की अगुवाई में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर जाल बिछाया। 24 अप्रैल 2026 को मिली एक सटीक सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौली जागरां, चंडीगढ़ निवासी 19 वर्षीय आरोपी सन्नी को धर दबोचा। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने विकास नगर नाका के पास झाड़ियों में छिपाकर रखी गई चोरी की साइकिल बरामद की। इतना ही नहीं, तलाशी के दौरान वहां से तीन अन्य संदिग्ध साइकिलें भी मिलीं, जिन्हें आरोपी ने सेक्टर-15 और 16 के विभिन्न क्षेत्रों से चोरी करना स्वीकार किया। बरामद की गई इन चारों साइकिलों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 80 हजार रुपये बताई जा रही है। डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने बताया जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी सन्नी एक आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ पहले भी थाना सेक्टर-14 में मामला दर्ज है, जिसमें वह वर्तमान में जमानत पर बाहर था। आरोपी को आज कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

चंडीगढ़

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

05 रविवार, 26 अप्रैल 2026

पेज 12 नई दिल्ली में 'राइड एशिया-EV' के 7वें संस्करण का...

सेक्टर-40 मंदिर चोरी मामले में बड़ी सफलता: चंडीगढ़ पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार, दानपात्र की नकदी व चांदी के नाग बरामद

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/25 अप्रैल। चंडीगढ़ पुलिस ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सेक्टर-40 स्थित लाल द्वारा मंदिर में हुई चोरी के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले 19 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से दानपात्र की नकदी, सिक्के और चांदी के नाग की मूर्तियां बरामद की गई हैं। यह कार्रवाई यूटी की महिला वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कंवरदीप कौर के निर्देशों पर की गई। मामले की निगरानी महिला पुलिस अधीक्षक के एम . प्रियंका और एसडीपीओ साउथ वेस्ट धीरज कुमार के मार्गदर्शन में थाना-39 पुलिस की टीम ने की। टीम का नेतृत्व थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राजीव कुमार ने किया।

पुलिस के अनुसार थाना-39 में एफआईआर नंबर 59 दिनांक 24 अप्रैल 2026 को भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शुभम पुत्र प्रदीप, निवासी मकान नंबर 2675, डीएमसी, चंडीगढ़, उम्र 19 वर्ष के रूप में हुई है।

शिकायतकर्ता राम कैलाश, जो सेक्टर-40/ए स्थित लाल द्वारा मंदिर में पुजारी हैं, ने पुलिस को बताया कि 23 अप्रैल की रात करीब 9:30 बजे उन्होंने मंदिर के दरवाजे बंद कर विश्राम किया था। अगली सुबह 24 अप्रैल को करीब 5:30 बजे जब वे उठे, तो मंदिर के दरवाजे खुले मिले। जांच करने पर पता चला कि किसी ने ताले तोड़कर दानपात्र से नकदी और सिक्के चोरी कर लिए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और तकनीकी व स्थानीय सूचना के आधार पर आरोपी शुभम को 24 अप्रैल को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर चोरी का सामान बरामद कर लिया गया।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी का पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। चंडीगढ़ पुलिस का कहना है कि शहर में असामाजिक तत्वों के खिलाफ विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

केसरमंडी में आरसीसी फ्लोरिंग का उद्घाटन, क्षेत्रवासियों को मिली बड़ी राहत

लुधियाना/यूटर्न/25 अप्रैल। केसरमंडी के गंज में आरसीसी फ्लोरिंग का उद्घाटन किया गया है। जिससे क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। इस विकास कार्य का उद्घाटन विधायक मदन लाल बग्गा, अशोक पराशर पप्पी और सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर द्वारा किया गया। इस मौके पर स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल देखा गया, क्योंकि लंबे समय से क्षेत्र में बेहतर सड़क सुविधा की मांग की जा रही थी। इस कार्य का श्रेय प्रमुख रूप से मंत्री संजीव अरोड़ा के प्रयासों को दिया गया, जिनकी पहल से यह परियोजना संभव हो सकी। इस दौरान विधायक मदन लाल बग्गा ने कहा कि क्षेत्र वासियों की लंबे से चली आ रही आरसीसी सड़क की मांग को पूरा किया गया है। जल्द अन्य विकास कार्यों को भी हरी झंडी दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान एएच कपिल थापर, अशोक गोयल, ऋषि और बॉबी भंडारी भी उपस्थित रहे।

बीजेपी में शामिल होने के बाद राघव चड्ढा के 10 लाख फॉलोअर्स कम हुए

चंडीगढ़/यूटर्न/25 अप्रैल। राघव चड्ढा ने आप छोड़कर बीजेपी में शामिल होकर राष्ट्रीय राजधानी की राजनीति में जो हलचल मचाई थी, उसके एक दिन बाद ही उनकी लोकप्रियता को झटका लगता दिख रहा है। चड्ढा अपने साथ आप के छह राज्यसभा सांसदों को भी बीजेपी में ले गए, जिससे अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी को अपने सांसदों को एकजुट रखने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। चड्ढा का बीजेपी में जाना कोई हैरानी की बात नहीं थी, क्योंकि कुछ हफ्ते पहले ही उन्हें आप के राज्यसभा उप-नेता पद से हटा दिया गया था; लेकिन ऐसा लगता है कि उनके इस कदम से आज की युवा पीढ़ी प्रभावित नहीं हुई है।

आज के डिजिटल जमाने में, सोशल मीडिया फॉलोअर्स को अक्सर किसी की लोकप्रियता मापने का पैमाना माना जाता है। आंकड़ों से पता चलता है कि बीजेपी में शामिल होने के 24 घंटे से भी कम समय में चड्ढा के क्ल२३ॅ१ें पर लगभग 10 लाख फॉलोअर्स कम हो गए। शुक्रवार को, 37 वर्षीय राज्यसभा सांसद के 1.46 करोड़ (14.6 मिलियन) फॉलोअर्स थे। शनिवार दोपहर 1 बजे तक, उनके फॉलोअर्स की संख्या घटकर 1.35 करोड़ (13.5 मिलियन) रह गई।

राघव चड्ढा की लोकप्रियता को झटका लगा

दरअसल, चड्ढा ने युवाओं के बीच अपनी एक अलग पहचान बनाई थी। उन्होंने लगातार ऐसे मुद्दे उठाए जो सीधे तौर पर लोगों के रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित करते थे और इनमें से ज्यादातर मुद्दे अक्सर राजनीतिक चर्चाओं में नजरअंदाज कर दिए जाते हैं। इन मुद्दों में पितृत्व अवकाश, ट्रैफिक की समस्या, टेलीकॉम कंपनियों द्वारा तय की गई दैनिक डेटा सीमा, और यहाँ तक कि हवाई अड्डों पर महंगे समोसे तथा '10-मिनट डिलीवरी मॉडल' के जरिए 'गिग वर्कर्स' (अस्थायी कर्मचारियों) के शोषण जैसे 'छोटे-मोटे मुद्दे' भी शामिल थे। उन्होंने 'गिग वर्कर्स' की चुनौतियों को खुद अनुभव करने के लिए एक दिन इ्'ल्'३ के डिलीवरी पार्टनर के तौर पर भी काम किया था।

युवा पीढ़ी ने चलाया अभियान...राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि युवा, खासकर 'जेन जैड', चड्ढा के खिलाफ इस विरोध की अगुवाई कर रहे हैं। क्या आंकड़ों पर चलने वाले यह राजनेता इन आंकड़ों को स्वीकार करके अपनी स्थिति में सुधार ला पाएंगे? एनसीपी एसपी के प्रवक्ता अनीश गावंडे ने ट्वीट किया, इंस्टाग्राम पर जेन जैड द्वारा चलाए गए एक वायरल 'अनफॉलो' अभियान के कारण राघव चड्ढा के फॉलोअर्स 24 घंटे में ही 10 लाख कम हो गए। उन्होंने आगे कहा, ₹इंटरनेट आपको रातों-रात हीरो बना सकता है, और इंटरनेट ही आपको रातों-रात जीरो पर भी ला सकता है।

मेहनत लाई रंग...उनकी यह मेहनत तब रंग लाई, जब केंद्र सरकार ने डिलीवरी कंपनियों के लिए '10-मिनट में डिलीवरी' की अनिवार्य समय-सीमा को खत्म करने का आदेश जारी किया। इन सभी चीजों ने चड्ढा की छवि एक ऐसे राजनेता के तौर पर बनाई, जिससे लोग आसानी से जुड़ सकते थे। राज्यसभा में जेन जैड से जुड़े मुद्दों पर उनके खास ध्यान ने पारंपरिक राजनीति और युवाओं की उम्मीदों के बीच की खाई को पाटने में मदद की।

ओलंपियन गुरबख्श सिंह ग्रेवाल का निधन, हॉकी जगत में शोक

1968 मेक्सिको ओलंपिक में भारत को दिलाया था कांस्य पदक, जिरकपुर में ली अंतिम सांस

जीरकपुर/यूटर्न/25 अप्रैल। भारतीय हॉकी के दिग्गज और 1968 मेक्सिको ओलंपिक के खिलाड़ी रहे गुरबख्श सिंह ग्रेवाल का शुक्रवार शाम निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे और दिल का दौरा पड़ने से उन्होंने जिरकपुर स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से पूरे खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।

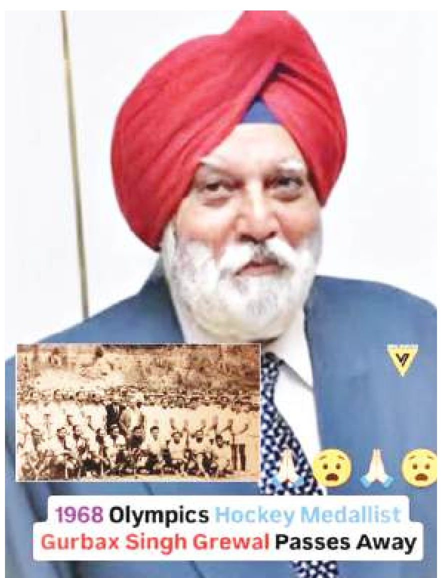

गुरबख्श सिंह ग्रेवाल भारतीय हॉकी टीम के अहम सदस्य रहे, जिसने 1968 के मेक्सिको सिटी ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया था। वह अपने समय के बेहतरीन खिलाड़ियों में गिने जाते थे और उनकी खेल प्रतिभा ने भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनकी एक और खास उपलब्धि यह रही कि उन्होंने अपने सगे भाई बलबीर सिंह ग्रेवाल के साथ एक ही ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। यह भारतीय हॉकी इतिहास में एक दुर्लभ और गौरवपूर्ण कीर्तिमान माना जाता है।

खेल करियर के बाद भी उन्होंने हॉकी से जुड़ाव बनाए रखा। वह पश्चिम रेलवे में वरिष्ठ खेल अधिकारी के रूप में कार्यरत रहे और मुंबई हॉकी एसोसिएशन के मानद सचिव के रूप में भी सेवाएं दीं। खिलाड़ी के साथ-साथ एक कुशल प्रशासक के रूप में भी उन्होंने खेल के विकास में अहम योगदान दिया।

सुरजीत हॉकी सोसाइटी के पदाधिकारी इकबाल सिंह संधू सहित कई खेल संगठनों और सामाजिक संस्थाओं ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इसे हॉकी जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया और परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की।

जीरकपुर में हुआ अंतिम संस्कार, नम आंखों से दी विदाई...गुरबख्श सिंह ग्रेवाल का अंतिम संस्कार शनिवार सुबह जिरकपुर के श्मशान घाट में पूरे सम्मान के साथ किया गया। इस दौरान खेल जगत से जुड़े कई लोगों, परिजनों और स्थानीय नागरिकों ने उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी।

शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके योगदान को हमेशा याद रखने की बात कही।

Happy Birthday

Bitesh Goel ji

मां बगलामुखी धाम में महंत प्रवीण चौधरी के सानिध्य में व्यापार वृद्धि यज्ञ का आयोजन

लुधियाना/यूटर्न/25 अप्रैल। मां बगलामुखी धाम में महंत प्रवीण चौधरी के सानिध्य में व्यापार वृद्धि यज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें भक्तों ने जगत जननी मां बगलामुखी के समक्ष हवन यज्ञ में आहूतियां डालकर अपने व्यापार व कारोबार में वृद्धि की प्रार्थना की। वही इस दौरान मां बगलामुखी धाम में महंत प्रवीण चौधरी 24 अप्रैल को आयोजित होने वाले मां बगलामुखी जी की पावन जयंति महोत्सव की तैयारियां जोरो शोरो से चल रही है। महंत प्रवीण चौधरी ने बताया कि मां बगलामुखी जी के अति प्रिय पीले रंग में रंगा मां बगलामुखी धाम का दृश्य आलौकिक होगा। शाम 4:30 बजे से 6 बजे तक मां बगलामुखी का रूद्राभिषेक व आलौकिक श्रृंगार किया जाएगा। 6 बजे मां बगलामुखी जी महाआरती होगी, जिसका दृश्य आलौकिक होगा। शाम 7 बजे रात्रि 10 बजे तक हवन यज्ञ आयोजित होगा। यज्ञ में पूर्णहुति के साथ रात्रि 10 बजे से मां बगलामुखी जी की इच्छा तक प्रसिद्ध भजन संदीप सूद होशियारपुर वाले व हैप्पी बटवाल मां बगलामुखी जी का गुणगान करेंगे। मां भगवती को पीले रंग के प्रसाद अर्पित कर भोग के रुप में वितरित होंगे। वही मां बगलामुखी जी की पावन जयंति की महत्वता बताते हुए महंत जी ने कहा कि हल्दी की माला से मंत्रों का जाप करके मां बगलामुखी हल्दी, पीले फूल, पीला भोग अर्पित करना विशेष फलदायी है। इस अवसर पर मनप्रीत छतवाल,कर्ण शांडिल्या, सुनील महाजन, रमन घई, जतिन्द्र सूद, मोहित सूद, राणा रणजीत सिंह, सुधीर महाजन, गौरव कालिया, जतिन सूद, परमवीर चौधरी, संदीप सूद, सुनील हांडा, नरिन्द्र सिंगला, इकबाल सिंह, बलजीत त्रिखा, गौतम सचदेवा, नरिन्द्र महाजन, तरुण चौधरी, अंकुश सिंगला, चेतन टंडन, साहिल सिंगला, राज सोंलकी, पंकज गुप्ता, दीपक गर्ग, दिनेश रल्ली, वरूण जैन, मनीष गुप्ता, विजय गुप्ता, रमन शर्मा, आदित्य गुप्ता, वरुण चोपड़ा, तुषार बंसल, धीरज गुप्ता, जनकराज सिंगला, बौबी मक्कड़, नितेश सूद सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

रूह से रूबरू

मेहनतकश इन्सान कहीं खो गए हैं।

चारू नागपाल

आज की पीढ़ी तेजी से बदलती दुनिया में जी रही है, जहाँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) ने जीवन को आसान तो बनाया है, लेकिन इस पर अत्यधिक निर्भरता एक नई समस्या बनती जा रही है। आज के युवा अपने कई निर्णय और काम अकके भरोसे करने लगे हैं, जिससे वे वास्तविक जीवन के संघर्षों और चुनौतियों से दूर होते जा रहे हैं। उनका अधिकतर समय बाहर का खाना खाने, घूमने-फिरने और मोबाइल फोन में रील्स देखने में बीत रहा है। इस जीवनशैली के कारण न तो शारीरिक मेहनत हो रही है और न ही मानसिक दृढ़ता का विकास। जहाँ पहले लोग कठिन परिस्थितियों में धैर्य और मेहनत से आगे बढ़ते थे, वहीं आज की पीढ़ी जल्दी सफलता पाने की चाह रखती है। कमाई के मामले में भी यह बदलाव साफ दिखता है। आज के युवा शॉर्टकट पर ज्यादा विश्वास करते हैं, जैसे सट्टेबाजी, क्रिप्टोकरेंसी या अन्य आसान तरीकों से जल्दी पैसा कमाने की कोशिश करना। परंतु इन रास्तों में जोखिम अधिक होता है और स्थिरता कम। पुरानी पीढ़ी के लोगों में जो मेहनत, धैर्य और हिम्मत थी, वह धीरे-धीरे कम होती दिख रही है। ऐसा लग रहा है कि मेहनतकश इन्सान कहीं खो से गए हैं। आवश्यकता है कि आज की पीढ़ी तकनीक का सही उपयोग करते हुए वास्तविक जीवन के अनुभवों से भी सीखे और संतुलित जीवन जीने की दिशा में आगे बढ़े।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

Restitution of Conjugal Rights (RCR) क्या होता है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

वैवाहिक विवादों में एक कम समझा जाने वाला लेकिन महत्वपूर्ण प्रावधान है—Restitution of Conjugal Rights (RCR).

जब पति या पत्नी बिना किसी उचित कारण के दूसरे को छोड़कर अलग रहने लगते हैं, तो प्रभावित पक्ष अदालत में फ्ळफ की याचिका दायर कर सकता है। इसका उद्देश्य विवाह को समाप्त करना नहीं, बल्कि वैवाहिक संबंध को पुनः स्थापित करना होता है। अदालत यह देखती है कि क्या वास्तव में एक पक्ष बिना उचित कारण के अलग हुआ है। यदि अदालत संतुष्ट होती है, तो वह आदेश दे सकती है कि दोनों पति-पत्नी फिर से साथ रहें।

हालांकि, यह आदेश जबरन लागू (forcefully enforce) नहीं कराया जा सकता। इसका अर्थ यह है कि किसी को मजबूर करके साथ नहीं रखा जा सकता, लेकिन यह एक कानूनी स्थिति स्पष्ट करता है। RCR का एक और व्यावहारिक प्रभाव यह है कि यदि अदालत के आदेश के बावजूद साथ नहीं रहा जाता, तो यह बाद में Divorce के लिए एक आधार (ground) बन सकता है।

कई लोग बिना पूरी समझ के RCR फाइल कर देते हैं, जबकि हर मामले में यह उपयुक्त उपाय नहीं होता।

निष्कर्ष: RCR का उद्देश्य विवाह को बचाना है, न कि उसे मजबूरी बनाना। इसे तभी उपयोग करना चाहिए जब वास्तव में संबंध को पुनः स्थापित करने की संभावना हो।

मां बगलामुखी जयंती पर श्री सिद्धि विनायक मंदिर में विशाल हवन यज्ञ आयोजित

लुधियाना/यूटर्न/25 अप्रैल। श्री सिद्धि विनायक मंदिर, न्यू माया नगर, हैबोवाल कला में मां बगलामुखी जयंती के पावन अवसर पर विशाल हवन यज्ञ का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर मां बगलामुखी का आशीर्वाद प्राप्त किया। हवन यज्ञ का आयोजन मंदिर प्रधान रविनंदन शर्मा की अध्यक्षता में किया गया, जबकि मंदिर के आचार्य पंडित कमल किशोर व पंडित विजय शर्मा ने विधिविधानपूर्वक मंत्रोच्चारण के साथ हवन यज्ञ संपन्न कराया। यजमान परिवार कृषांत शर्मा, माधवी शर्मा, शिवानी शर्मा ने विशेष रूप से मा की पूजा अर्चना की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने आहुति डालते हुए मां बगलामुखी का आह्वान किया और अपने परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और उन्नति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर मंदिर प्रधान रविनंदन शर्मा ने कहा कि मां बगलामुखी की कृपा से सभी भक्तों के कष्ट दूर होते हैं और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस अवसर पर चंद्रशेखर शर्मा, कपिल शर्मा, मिक्की शर्मा, हन्नी कौशल, अजय अरोड़ा, गणेश कुमार, शुवम हंस, पुलकित,सोनिया रविनंदन शर्मा, नीलम शर्मा, सुनील शर्मा, बॉबी, तरुण नारांग, वैभव, कुंदन, दीपक गुप्ता, नितिन, वासु गुप्ता, सोनिया चावला, सोनिया शर्मा, मोना जोशी, नीलम सभरवाल, शिवम धर्मराज आदि उपस्थित हुए।

श्री दंडी स्वामी मंदिर में संकीर्तन सम्राट पं. जगदीश जी का जन्मदिन जानकी जयंती के रूप में मनाया

लुधियाना/यूटर्न/25 अप्रैल। लुधियाना के श्री सिद्ध पीठ श्री दंडी स्वामी मंदिर, सिविल लाइन में संकीर्तन सम्राट पूज्य पंडित जगदीश चंद्र कोमल जी का जन्मदिन शनिवार को जानकी जयंती के रूप में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडित राज कुमार शर्मा जी ने की। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातःकाल पूजा-अर्चना से हुई। इसके बाद श्री हरिपाल आहूजा एवं उनके साथियों द्वारा श्री सुंदरकांड पाठ किया गया। तत्पश्चात श्री सिद्ध पीठ परिकर के सुनील कालिया, ललित शर्मा, राघव उप्पल, बृजमोहन ढींगरा, काले खान रावल, विशाल अरोड़ा और केशव जोशी द्वारा हरिनाम संकीर्तन किया गया। प. राज कुमार शर्मा ने सभी श्रद्धालुओं को पंडित जगदीश चंद्र कोमल जी के जन्मदिवस की बधाई देते हुए कहा कि हम इस पावन दिवस को हर वर्ष जानकी जयंती के रूप में मनाते हैं। यह दिन उनके शिष्यों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, जिसे वे बड़े ही प्रेम, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाते हैं।उन्होंने कहा कि पंडित जगदीश चंद्र कोमल जी हम सभी के लिए एक महान प्रेरणा स्रोत थे। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से समाज को भक्ति और संकीर्तन का मार्ग दिखाया।

डिवाइडर निर्माण में सुस्ती से लोग परेशान

तीन महीने से अधूरा काम, दो दिन से पूरी तरह बंद

जीरकपुर/यूटर्न/25 अप्रैल। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। क्षेत्र के के-एरिया मोड़ से ढकोली मंदिर तक चल रहा डिवाइडर निर्माण कार्य पिछले तीन महीनों से स्थानीय लोगों के लिए जी का जंजाल बना हुआ है। निर्माण की सुस्त रफ्तार और विभाग की कथित अनदेखी के कारण न केवल राहगीर परेशान हैं, बल्कि पिछले दो दिनों से काम पूरी तरह बंद होने के कारण जनता में भारी रोष व्याप्त है।

मात्र तीन मजदूरों के भरोसे एक किलोमीटर का काम...स्थानीय निवासियों का आरोप है कि करीब एक किलोमीटर लंबे इस स्ट्रेच पर डिवाइडर बनाने और टाइल्स लगाने का जिम्मा विभाग ने महज तीन मजदूरों के कंधों पर छोड़ रखा है। इतने लंबे ट्रैक पर नाममात्र की लेबर

होने के कारण काम कछुआ चाल से चल रहा है। लोगों का कहना है कि जिस काम को कुछ हफ्तों में पूरा हो जाना चाहिए था, उसे तीन महीने बीत जाने के बाद भी अधूरा छोड़ दिया गया है। रही-सही कसर पिछले दो दिनों की बंदी ने पूरी कर दी है, जिससे प्रोजेक्ट के पूरा होने की उम्मीदें धुंधली पड़ती दिख रही हैं।

सड़क पर बिखरी निर्माण सामग्री दे रही हादसों को न्योता...मजदूरों की कमी के साथ-साथ निर्माण सामग्री के प्रबंधन ने भी लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। डिवाइडर के लिए लाई गई ईंटें, रेत और टाइल्स सड़क के किनारे बेतरतीब ढंग से बिखरी रहती हैं।

जाम की स्थिति: बिखरी हुई सामग्री के कारण सड़क की चौड़ाई कम हो गई है, जिससे पीक आवर्स में के-एरिया मोड़ पर लंबा जाम लग रहा है।

हादसों का डर: दुपहिया वाहन चालकों के लिए सड़क पर फैली बजरी और निर्माण सामग्री जानलेवा साबित हो रही है। अंधेरे के समय कई वाहन चालक यहां फिसल कर चोटिल भी हो चुके हैं। विभाग की लापरवाही का खामियाजा हमें भुगतना पड़ रहा है। धूल और जाम ने जीना मुहाल कर दिया है। प्रशासन को चाहिए कि वह तुरंत हस्तक्षेप कर काम की गति बढ़ाए।

लुधियाना के DAV Public School Pakhowal Road Ludhiana में अकाउंटेंसी पर उन्नत शिक्षण पद्धतियों की कार्यशाला आयोजित

लुधियाना/यूटर्न/25 अप्रैल। डीएवी पब्लिक स्कूल, पक्खोवाल रोड में 25 अप्रैल 2026 को 'एंपावरिंग एजुकेटर्स: एडवांस्ड पेडगॉजिकल अप्रोचिज इन अकाउंटेंसी एजुकेशन' विषय पर एक प्रभावशाली शैक्षणिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन विद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता और शिक्षकों के निरंतर व्यावसायिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यशाला में मुख्य संसाधन व्यक्ति के रूप में चार्टर्ड अकाउंटेंट संदीप गर्ग उपस्थित रहे, जिनके पास 18 वर्षों का समृद्ध शिक्षण अनुभव है। वे कॉर्पोरेट प्रशिक्षण में अपनी विशेषज्ञता और सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कक्षा 11वीं और 12वीं (उइएए) के लिए अकाउंटेंसी, बिजनेस स्टडीज और अर्थशास्त्र विषयों पर कई लोकप्रिय पुस्तकें भी लिखी हैं।

कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत समारोह से हुई, जिसके बाद अतिथि को सम्मान स्वरूप पौधा भेंट किया गया। इस अवसर पर श्रीमती जयदीप कौर, अकादमिक सुपरवाइजर गोपाल दास ठाकुर और कॉमर्स स्ट्रीम कोऑर्डिनेटर दमनजीत कौर ने उनका अभिनंदन किया।

कार्यशाला में शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आधुनिक शिक्षण विधियों पर चर्चा की और अपने अनुभव साझा किए। समापन अवसर पर प्रधानाचार्या डॉ. सतवंत कौर भुल्लर ने विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण की आवश्यकता पर जोर देते हुए शिक्षकों को नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित किया। यह कार्यशाला ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक सिद्ध हुई।

एनजीओ अध्यक्ष ने अपने पिता की याद में के.के. कपिला मेमोरियल स्कॉलरशिप की शुरूआत की

लुधियाना/यूटर्न/25 अप्रैल। अहसास चैरिटेबल ऑर्गेनाइजेशन की अध्यक्ष संगीता भंडारी ने अपने पिता स्वर्गीय केवल कृष्ण कपिला की स्मृति में 5000 रुपए की के.के. कपिला मेमोरियल स्कॉलरशिप की शुरूआत की। यह छात्रवृत्ति आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ मोहाली की छात्रा पल्लवी जसरोतिया को प्रदान की गई, जिसने ज्यूरिस्प्रूडेंस विषय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह छात्रवृत्ति कॉलेज के वार्षिक समारोह के दौरान संगीता भंडारी, राजेश भंडारी और चाहत भंडारी ने दी। इस अवसर पर संगीता भंडारी ने कहा कि मेरे पिता स्वर्गीय केवल कृष्ण कपिला गणित के अध्यापक थे, उन्होंने हमेशा शिक्षा और मेहनत को सबसे बड़ा धन माना। उनकी यही सीख मुझे प्रेरित करती है कि मेरी तरफ से प्रतिभाशाली और मेहनती विद्यार्थियों को आगे बढ़ने में सहयोग किया जा सके। यह छात्रवृत्ति उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का एक छोटा सा प्रयास है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पिंदर सिंह एवं लेफ्टिनेंट जनरल पुनीत आहूजा तथा कॉलेज की प्रिंसिपल तेजिंदर कौर ने इस सराहनीय प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की और इसे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक पहल बताया।

प्राइवेट कंपनी ने वर्कर ने फर्जी बिल बना हड़प किए लाखों रुपए, ऑडिट में हुआ खुलासा, मामला दर्ज

लुधियाना/यूटर्न/25 अप्रैल। लुधियाना के साहनेवाल में एक प्राइवेट कंपनी के वर्कर ने अपनी फर्म बनाकर उसके फर्जी बिल काटकर कंपनी को जमा करवाकर पेमेंट हासिल कर ली। इसी तरह करके वर्कर ने लाखों रुपए हड़प कर लिए। लेकिन जब कंपनी ने ऑडिट किया तो मामले का खुलासा बुआ। थाना साहनेवाल पुलिस ने अनीश बंसल की शिकायत पर ग्यासपुरा के अजय मिश्रा के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता अनीश बंसल ने बताया कि वह गर्ग एक्रिलिक, कंगनवाल में वाइस प्रेसिडेंट के पद पर कार्यरत हैं। उनकी कंपनी में पिछले करीब 5 वर्षों से अजय मिश्रा नामक व्यक्ति काम कर रहा था, जो लॉजिस्टिक्स और एक्सपोर्ट से संबंधित कार्य देखता था। इसके साथ ही वह अपनी फर्म बाला जी ट्रांसपोर्ट कंपनी भी चला रहा था। आरोपी ने अपनी एक फर्म बना रखी थी। उसने उक्त फर्म के फर्जी बिल काटकर कंपनी में जमा करवाकर भुगतान करता रहा। इस तरह करके आरोपी द्वारा भारी मात्रा में कंपनी के साथ ठगी की गई। जब कंपनी द्वारा ऑडिट करवाया गया, तो मामले का खुलासा हुआ।

पटियाला जा रही बारात पर बदमाशों ने किया हमला, बच्चे समेत 2 जख्मी

लुधियाना/यूटर्न/25 अप्रैल। लुधियाना से पटियाला जा रही बारात पर अमरपुरा इस्सा नगरी पुली स्थित शनि मंदिर के बाहर तेजधार हथियारों से हमला किया गया। हमले में एक व्यक्ति और एक बच्चा जख्मी हो गए। आरोपी बाइक पर सवार पर पहुंचे और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। बरात में शामिल एक रिश्तेदार की रंजिश के कारण यह हमला हुआ है। थाना डिवीजन नंबर दो की पुलिस मामले की जांच कर रही है। शंकर सिसोदिया ने बताया कि उनके छोटे भाई की शादी थी और बरात पटियाला जानी थी। बरात निकलने से पहले परिवार के लोग शनि मंदिर के बाहर माथा टेक रहे थे, तभी अचानक कुछ हमलावर वहां पहुंच गए और हमला कर दिया। या। हमले में उनके मौसा राजू घायल हो गए, जिन्हें 5 टांके लगे हैं। शंकर ने बताया कि उनकी मौसी के बेटे के ससुराल पक्ष के साथ पहले से कोर्ट केस चल रहा है। आरोप है कि उसी रंजिश के चलते बहू पक्ष के लोगों ने इस हमले को अंजाम दिया। उन्होंने यह भी कहा कि शादी के चलते हमलावर पक्ष के लोग जमानत लेकर बेंगलुरु से आए हुए थे। पुलिस अनुसार मामले की जांच की जा रही है।

हिमाचल में 47 दवाइयो के सैंपल फेल होने के बावजूद पंजाब में नहीं दिखा कहीं भी अलर्ट

अशोक सहगल

लुधियाना यूटर्न 25 अप्रैल। देश में कुछ दिन पहले बीपी शूगर सहित खतरनाक बीमारियों की दवाइयों के सैंपल फेल होने की चौंकाने वाली बात सामने आई है। दरअसल, सिर दर्द, पेट दर्द, बीपी, शूगर सहित 141 दवाइयों के सैंपल फेल हो गए हैं। सबसे हैरानी की बात ये है कि इनमें से 47 दवाएं हिमाचल प्रदेश के बद्दी, बरोटीवाला, नालागढ़, कालाअम्ब, ऊना और सोलन में बनी है।

कौन-कौन सी दवाइयां हुई फेल

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) की जांच में देश में बनी 141 दवाइयों के सैंपल फेल हुए हैं। यह दवाइयां ज्यादातर सिर दर्द, पेट दर्द, बीपी, शूगर, अल्सर, हृदय रोग जैसी खतरनाक बीमारी व विभिन्न संक्रामक बीमारियों में इस्तेमाल की जाती है। उऊरउड के जारी किए ड्रग अलर्ट के अनुसार इन दवाइयों की गुणवत्ती जांच फेल होने पर इन्हें नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी (ठरद) घोषित किया गया है। इसके साथ ही कंपनियों को नोटिस जारी करके दवाइयों का स्टाक वापस मंगवाने के सख्त आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि, हिमाचल से पूरे देश और विदेश में दवाइयां सप्लाई होती है।

कौन सी दवाइयां बनती हैं हिमाचल प्रदेश मे

पैरासिटामोल 500 मिग्रा टैबलेट

- प्रीगाबालिन और मिथाइलको-बालामिन कैप्सूल
- रैबेप्राजोल ग्रैस्ट्रो-रेसिस्टेंट टैबलेट
- अमोक्षिसिलिन और क्लैवुलेनिक एसिड टैबलेट
- एसिक्लोफेनाक और पैरासिटामोल टैबलेट
- लेवोसेटिरीजिन डाइहाइड्रो-क्लोराइड टैबलेट
- क्लावोसिल-375 टैबलेट
- डाइक्लोफेनाक पोटैशियम, पैरासिटामोट और क्लोरजाक्साजोन टैबलेट
- पोविडोन-आयोडीन सॉल्यूशन
- टेल्मिसार्टन 40 मिग्रा टैबलेट
- ओन्डैन्सेट्रॉन ओरली डिसइंटीग्रेटिंग टैबलेट 8 मिग्रा
- पोविडोन आयोडीन और ऑर्निडाजोल मरहम (ऑइंटमेंट)
- टैक्रोलिमस 0.5 मिग्रा कैप्सूल
- रैबेप्राजोल सोडियम टैबलेट
- प्री और प्रोबायोटिक कैप्सूल
- टैक्रोलिमस 2 मिग्रा कैप्सूल

- टैक्रोलिमस कैप्सूल IP 1 mg
- रामिप्रिल टैबलेट IP 2.5 mg
- डेक्सट्रोमेथॉर्फन, फिनाइलफ्रिन और क्लोरफेनिरामाइन सिरप SML
- फेरस एस्कॉर्बेट, फोलिक एसिड और जिंक सॉफ्ट जिलेटिन कैप्सूल
- रैबेप्राइजोल सोडियम इंजेक्शन IP
- पैंटाप्राजोल ग्रैस्ट्रो-रेजिस्टेंट टैबलेट IP 40 MG
- मेट्रोनिडाजोल 400 मिग्रा टेबलेट
- अल्बेंडाजोल टैबलेट IP
- ओरल रिहाइट्रेशन साल्ट्स IP (ओआरएस)
- प्रोक्लोरपेराजीन मेलिएट माउथ डिसॉल्विंग टैबलेट
- क्लॉक्सेस-एसपी टैबलेट
- एम्ब्रॉक्सोल हाइड्रोक्लोराइड टरब्यूटालिन सल्फेट, ग्वाइफएनेसिन और मेन्थॉल सिरप
- लुलिकोनाजोल क्रीम
- कैल्सिड टैबलेट/कैल्शियम और विटामिन डी सप्लीमेंट
- एटेनोलोल और अम्लोडिपिन टैबलेट
- स्टेराइल 10 मिलीलीटर इंजेक्शन
- एनरेक्स खांसी सिरप (कोडीन फॉस्फेट और ट्राइप्रोलिडीन एचसीएल सिरप)
- सेफिकिसम (एनहाइड्रस) टेबलेट
- एंटरिक कोटेड रैबेप्राजोल सोडियम और डामपेरिडोन सस्टेन्ड रिलीज कैप्सूल
- रैबेप्राजोल सोडियम (एंटरिक-कोटेड) और डॉमपेरिडोन (सस्टेन्ड-रिलीज) कैप्सूल
- डाइक्लोफेनाक सोडियम इंजेक्शन 75 मिग्रा/2 मिलीमीटर
- ड्रग विभाग ने जारी किया अलर्ट
- हिमाचल प्रदेश में बनी दवाओं के 47 सैंपल फेल हो गए हैं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने इस माह का ड्रग अलर्ट जारी किया है। देश में कुल दवाओं के 141 सैंपल फेल हुए हैं। इसमें हिमाचल की संख्या 47 है। जिन दवाओं के सैंपल फेल हुए हैं, इनमें कफ सिरप, इंजैक्शन, दिल, मिर्गी, ब्लड प्रैशर और शूगर जैसी गंभीर बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली दवाएं शामिल हैं, वहीं कुछ पाऊडर, आयरन व विटामिन की गोलियां भी गुणवत्ता परीक्षण में फेल हो गई। सीडीएससीओ के अलर्ट में मेहंदी, टूथपेस्ट, साबुन सहित अन्य कई और उत्पादों के सैंपल भी फेल हुए हैं।
- सीडीएससीओ के ड्रग अलर्ट के अनुसार हिमाचल के अतिरिक्त उत्तराखंड की 20, गुजरात की 23, पंजाब की 7, राजस्थान की 6, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा की 5-5 दवाएं, तमिलनाडु व महाराष्ट्र की 3-3, केरल, पड्डुचेरी, चेन्नई, जे. एंड के., तेलंगाना के 2-2 दो और यूपी, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, वैस्ट बंगाल, आंध्र प्रदेश और उडीसा का एक-एक दवा का सैंपल फेल हुआ है।
- राज्य दवा नियंत्रक हिमाचल प्रदेश डा. मनीष कपूर का कहना है कि हिमाचल प्रदेश में बनाई जाने वाली दवाएं उच्च गुणवत्ता की हों, इसी कारण हिमाचल से सैंपल की संख्या बढ़ाई गई है। देशभर में बनने वाली कुल दवाओं में एक तिहाई हिस्सा हिमाचल में तैयार होता है, ऐसे में अन्य राज्यों की तुलना में हिमाचल के सैंपल अधिक फेल नजर आते हैं। हालांकि प्रदेश के जिन दवा उद्योगों में यह दवाएं बनी हुई हैं, उनका उत्पादन बंद करवाया जाता है उनकी सारी जानकारी पब्लिक प्लेटफार्म पर सार्वजनिक की जाती है, ताकि लोग इनका उपयोग न करें।

पंजाब में नहीं की जाती गुणवत्ता की परवाह

- हिमाचल प्रदेश का ड्रग विभाग जहां दवाइयां की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए रेगुलर सेंपलिंग पर जोर देता है वहीं पंजाब में ड्रग विभाग सूप्त अवस्था में रहता है एशिया के सबसे बड़ा होलसेल दवा बाजार पिंडी गली मे जांच के नाम पर ड्रग विभाग के अधिकारी कभी कभार ही बाजार में जाते हैं पिंडी गली के अलावा लुधियाना तथा आसपास के क्षेत्र में सैकड़ो दवा की दुकानें हैं परंतु जांच कभी कभार ही की जाती है इसके अलावा जिले में दवाइयां बनाने वाली कई इकाइयां काम कर रही हैं सूत्रों ने बताया कि ड्रग विभाग के अधिकारी बाजार में जाते हैं तो है अथवा दवा बाजार से जुड़े लोग उनके कार्यालय में आते रहते हैं परंतु सैंपलिंग के नाम पर करवाई जीरो ही रहती है क्या राज्य अथवा जिले को लोगों को गुणवत्तापूर्ण दवाइयां खाने का अधिकार नहीं है ?

वकील के घर पर कब्जा करने की कोशिश, जान से मारने की धमकी; 5 के खिलाफ केस दर्ज

जीरकपुर/यूटर्न/25 अप्रैल। जीरकपुर पुलिस ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के एक वकील की शिकायत पर उसके मकान पर जबरन कब्जा करने की कोशिश और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 329(3), 62 और 351 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की पहचान अमृत हूरिया, उसकी पत्नी साक्षी और जीत लोहगढ़िया के रूप में हुई है, जबकि एक पुरुष और एक महिला की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

शिकायतकर्ता राजविंदर सिंह जौली निवासी ब्लॉक-जी, एरोसिटी ने पुलिस को बताया कि वह पेशे से वकील है और पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करता है। उसने वर्ष 2022 में 200 वर्ग गज का प्लॉट खरीदा था। आर्थिक तंगी के चलते अमृत हूरिया ने उसे कर्ज देने की पेशकश की और रजिस्ट्री में प्लॉट का 67 प्रतिशत हिस्सा अपने नाम गारंटी के तौर पर करवा लिया, जबकि 33 प्रतिशत हिस्सा जौली के नाम रहा। शिकायतकर्ता के अनुसार, उसने अपने खर्चे पर पूरी कोठी का निर्माण कराया और लंबे समय से अपने परिवार के साथ वहां रह रहा है।

जौली ने आरोप लगाया कि 19 मार्च 2026 को जब वह अपने परिवार के साथ घर पहुंचा तो मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ था और कुछ लोग घर के अंदर मौजूद थे। आरोप है कि अमृत हूरिया और उसके साथियों ने उस पर हमला किया, धमकियां दीं और मकान पर कब्जा करने की कोशिश की।

उसने बताया कि घटना की सूचना तुरंत डायल 112 पर दी गई। मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में आरोपी 18 मार्च को ताला तोड़कर घर में दाखिल होते दिखाई दे रहे हैं।

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि 28 मार्च को आरोपी दोबारा घर में घुसे। इस दौरान उनके पास पिस्तौल और तेजधार हथियार थे। उन्होंने उसे झूठे केस में फंसाने और परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

महिला ने प्रैस कांफ्रेस कर लगाए गंभीर आरोप, मेयर का दोटूक जवाब – पुलिस शिकायत करें, जांच में जो सच होगा सामने आ जाएगा

लुधियाना/यूटर्न/25 अप्रैल। पिछले कुछ दिनों से लुधियाना की राजनीति में काफी हलचल देखने को मिल रही है। दरअसल, एक महिला द्वारा मेयर प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर के पति रवि आनंद पर उसे अश्लील मैसेज भेजने और संबंध बनाने के लिए दबाव डालने के आरोप लगाए हैं। इस मामले में महिला द्वारा सामने आकर प्रैस कांफ्रेस के जरिए गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके आरोप है कि मेयर के पति रवि आनंद द्वारा उन्हें व्हाट्सएप और फेसबुक पर अश्लील मैसेज भेजे जा रहे थे, जबकि उन पर संबंध बनाने का दबाव भी डाला गया। महिला कुलदीप का आरोप है कि उसने मेयर को इस संबंधी जानकारी भी दी। लेकिन उन्होंने कोई एक्शन नहीं लिया। जिसके बाद उन्होंने आप नेता मनीष सिसोदिया से शिकायत दी। जिन्होंने पुलिस शिकायत करने के लिए कहा। महिला ने प्रशासन से इंसाफ की मांग की है। हालांकि इस मामले में मेयर प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर ने कहा कि उनकी तरफ से पहले दिन से यहीं कहा जा रहा है कि उक्त महिला पुलिस को शिकायत दें, पुलिस जांच में सच सामने आ जाएगा। जिसकी गलती निकलेगी, उसे सजा मिल जाएगी। लेकिन महिला उनकी बात मानने को तैयार ही नहीं है।

आप नेता और महिला के बीच हुए विवाद का मामला

मामले की जानकारी देते हुए महिला

मेरी परिवार से नहीं है बोलचाल, खुद कर रही बच्चों का पालन

वहीं महिला का कहना है कि उसकी अपनी मां और भाइयों से बोलचाल नहीं है। जबकि ससुराल वालों से भी संपर्क नहीं है। वह अकेले ही घर पर क्लाउड किचन चलाकर बच्चों का पालन कर रही है। महिला अनुसार उसका बेटा जिम चलाता है। जिस के बाहर वाहन खड़े होते हैं। उक्त वाहन एक बार नगर निगम ने टो कर लिए थे। जिन्हें मेयर द्वारा छुड़वाया गया था। बस वहीं ऐहसान को लेकर आज तक उसे दबाया जा रहा है।

मेरे पास हैं सभी सबूत...महिला ने आरोप लगाया कि रवि आनंद द्वारा पहले उसे सिंपल मैसेज भेजे जाते थे। लेकिन पति की मौत के बाद उसकी शब्दावली बदल गई। जिसके बाद उसने अश्लील मैसेज भेजने शुरू कर दिए। कभी मनाली घूमने जाने तो कभी मिलने का दबाव डाला गया। मेरे पास इसके सभी सबूत मौजूद हैं।

पुलिस को दें शिकायत, मैं सच के साथ हूं...वहीं मेयर प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर ने कहा कि वह भी एक महिला हैं। मुझे जब उक्त महिला ने मैसेज भेजे तो मैंने तुरंत उन्हें पुलिस शिकायत

करने को कहा, क्योंकि जांच कर सच सामने लाना पुलिस का काम है। मुझे शिकायत करने के तुरंत बाद ही महिला ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर आरोप लगाने शुरू कर दिए। ऐसे में मेरी गलती कहा हैं। मैं किसी के साथ नहीं हूं। मैं सिर्फ सच के साथ हूं। मेयर ने कहा कि मैं आज भी यहीं कह रही हूं कि महिला पुलिस को शिकायत दें। सही गलत साबित करना पुलिस का काम है। अगर किसी की गलती निकलती है, तो उस पर कानूनी कार्रवाई होगी, फिर चाहें वे कोई भी क्यों न हो।

Uturn Time 26 Apr 2026_Layout 2 26-04-2026 00:26 Page 9

कनाडा में हाई सैलरी वालों को 1 हफ्ते में पीआर, अवैध तरीके से आए लोग तुरंत डिपोर्ट होंगे

जालंधर/यूटर्न/25 अप्रैल। कनाडा सरकार ने 2026 में अपनी इमीग्रेशन पॉलिसी में बड़ा बदलाव किया है। अब सरकार का फोकस ज्यादा लोगों को बुलाने के बजाय ऐसे लोगों पर है, जो देश की अर्थव्यवस्था में तुरंत योगदान दे सकें। नई नीति के मुताबिक, कनाडा में पहले से रहकर करीब 70 लाख रुपए सालाना कमाने वाले लोग अगर पीआर (परमानेंट रेजिडेंसी) के लिए आवेदन करते हैं, तो उन्हें सिर्फ 1 हफ्ते के भीतर पीआर मिल सकती है।

जबकि अवैध तरीके से आए लोगों तुरंत डिपोर्ट कर दिया जाएगा।सरकार ने 2025 से 2027 के बीच दिए जाने वाले पीआर के कुल कोटे में भी कटौती की है। अब प्राथमिकता उन लोगों को दी जा रही है, जो पहले से कनाडा में वर्क परमिट या स्टडी परमिट पर रह रहे हैं। सरकार का लक्ष्य है कि ऐसे करीब 40% लोगों को वहीं से पीआर देकर स्थायी किया जाए। इसका मतलब है कि अगर आप पहले से कनाडा में काम या पढ़ाई कर रहे हैं, तो आपके लिए पीआर पाना अब पहले से आसान हो सकता है।

नए लोगों को बुलाने की रफ्तार हुई कम

वहीं, बाहर से नए लोगों को बुलाने की रफ्तार कम की गई है। साथ ही, जिन लोगों के पास हाई-स्किल और अच्छी सैलरी वाली नौकरी का ऑफर है, उन्हें वीजा में प्राथमिकता मिल रही है। खासतौर पर हेल्थकेयर (डॉक्टर, नर्स), इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन सेक्टर (प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन) से जुड़े पेशों को ज्यादा महत्व दिया जा रहा है।

कनाडा को बढ़ते हाउसिंग संकट से उबारने का प्रेशर

कनाडा के नए इमीग्रेशन बिल सी-12 और नागरिकता कानून सी-3 में बड़े बदलाव किए गए हैं। कनाडा सरकार अब संख्या के बजाय गुणवत्ता पर ध्यान दे रही है। नए कानून के तहत अगले 3 सालों के लिए पक्की पीआर के लक्ष्यों में भारी कटौती की गई है। सरकार का मकसद देश में बढ़ते हाउसिंग संकट और बुनियादी ढांचे पर पड़ रहे दबाव को कम करना है।

जेल मंत्री ने पटियाला जेल का किया दौरा, उजाला नर्सरी और नई लाइब्रेरी का उद्घाटन

पटियाला/यूटर्न/25 अप्रैल। जेल मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने पटियाला सेंट्रल जेल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जेल के प्रबंधन का जायजा लिया और कैदियों के कल्याण व पुनर्वास से संबंधित कई पहलों का उद्घाटन किया। मंत्री ने कैदियों में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए जेल परिसर में स्थापित 'उजाला नर्सरी' का लोकार्पण किया। इसके साथ ही, कैदियों के बौद्धिक विकास हेतु तैयार की गई एक नई लाइब्रेरी का भी उद्घाटन किया गया। डॉ. सिंह ने कहा कि लाइब्रेरी कैदियों को शिक्षा और ज्ञान के बेहतर अवसर प्रदान करेगी, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। उन्होंने दोहराया कि पंजाब सरकार जेलों को सुधार और पुनर्वास केंद्रों के रूप में विकसित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस जेल विभाग के सचिव मुहम्मद तैयब, सुपरिटेंडेंट गुरचरण सिंह धालीवाल, अतिरिक्त सुपरिटेंडेंट जैदीप सिंह और अर्पणजोत सिंह, डिप्टी सुपरिटेंडेंट (सिक्योरिटी) आदर्शपाल सिंह तथा सहायक सुपरिटेंडेंट करणवीर सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

5 किलो हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार, पाक से मंगवाता था नशे की खेप, इलाके में तस्करों को करता था सप्लाई

तरनतारन/यूटर्न/25 अप्रैल। पंजाब पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत तरनतारन जिले से एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 5 किलो 101 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान बिधि चंद छीना गांव निवासी बहादुर सिंह पुत्र मलकीत सिंह के रूप में हुई है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा शुरू किए गए अभियान के तहत पंजाब पुलिस गैंगस्टरों और ड्रग्स के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपना रही है।

डीजीपी पंजाब गौरव यादव के निर्देश पर ड्रग तस्करों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। फिरोजपुर रेंज के डीआईजी स्नेहदीप शर्मा और तरनतारन के एसएसपी सुरेंद्र लांबा के नेतृत्व में विभिन्न टीमें गठित की गई थीं। सीआईए स्टाफ तरनतारन के इंचार्ज इंस्पेक्टर रूपिंदरपाल सिंह और उनकी टीम को तकनीकी और मानवीय खुफिया जानकारी मिली थी। इसमें पता चला कि बहादुर सिंह पाकिस्तानी तस्करों के साथ मिलकर भारत-पाकिस्तान सीमा से हेरोइन की खेप मंगवाता था और इसे तरनतारन के विभिन्न क्षेत्रों में सप्लाई करता था।

खुफिया जानकारी पर नाकेबंदी कर पकड़ा

सूचना के आधार पर, सीआईए स्टाफ तरनतारन की टीम ने तरनतारन जिले के गग्गोबुहा इलाके में एक विशेष नाकाबंदी की। डीएसपी सिटी तरनतारन की मौजूदगी में आरोपी बहादुर सिंह को उसकी एक्टिवा स्कूटर (नंबर PB46-AJ-8796) पर हेरोइन सप्लाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से कुल 5 किलो 101 ग्राम हेरोइन और एक्टिवा स्कूटर बरामद किया गया।

पाकिस्तानी तस्करों से संबंध कबूला

आरोपी के खिलाफ पुलिस स्टेशन झबाल में मुकदमा नंबर 61, अपराध 21-सी एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि आरोपी के पाकिस्तानी तस्करों से संबंध हैं और वह तरनतारन सहित पंजाब के विभिन्न जिलों में हेरोइन की सप्लाई करता था। आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जा रहा है, जिससे और भी खुलासे होने की संभावना है।

एसजीपीसी का यूपीएससी में सफल सिख विद्यार्थियों को तोहफा, 1-1 लाख सम्मान राशि देने की घोषणा

अमृतसर/यूटर्न/25 अप्रैल। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (SGPC) ने संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) में सफलता प्राप्त करने वाले सिख विद्यार्थियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया है। एसजीपीसी की कमेटी ने इस प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इसके तहत प्रत्येक सफल विद्यार्थी को एक-एक लाख रुपए की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। एसजीपीसी अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने जानकारी देते हुए बताया कि संगठन लंबे समय से सिख युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं की प्रतियोगी परीक्षाओं की ओर प्रेरित करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि उद्देश्य यह है कि अधिक से अधिक सिख युवा उच्च प्रशासनिक पदों तक पहुंचे और समाज व मानवता की सेवा में योगदान दें।

शिक्षा क्षेत्र में SGPC की विभिन्न योजनाएं जारी... धामी ने बताया कि एसजीपीसी पहले से ही शिक्षा के क्षेत्र में कई योजनाएं चला रही है, जिनमें अमृतधारी विद्यार्थियों की फीस सहायता, गरीब विद्यार्थियों के लिए आर्थिक मदद तथा लड़कियों को मुफ्त शिक्षा जैसी योजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा निशान अकादमी के माध्यम से सिविल सेवाओं और न्यायिक सेवाओं की तैयारी कराई जा रही है।

डेराबस्सी में आप की पूर्व हलका कोआर्डिनेटर अकाली दल में शामिल

डेराबस्सी/यूटर्न/25 अप्रैल। विधानसभा हलके में आम आदमी पार्टी को उस समय बड़ा राजनीतिक झटका लगा जब पार्टी की पूर्व हलका कोआर्डिनेटर रानी सोहल आम आदमी पार्टी को छोड़कर शिरोमणि अकाली दल में शामिल हो गई। अकाली दल के कोषाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक एनके शर्मा ने रानी सोहल को सिरोपा देकर स्वागत करते हुए कहा कि अकाली दल ने हमेशा ही महिलाओं को मान सम्मान दिया है।

आम आदमी पार्टी ने वर्ष 2022 में महिलाओं को एक हजार रुपये मासिक भत्ता देने का वादा किया लेकिन इसे आजतक लागू नहीं किया। अब जबकि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार का बहुत थोड़ा समय बचा है तो महिलाओं को गुमराह करते हुए फार्म भरे जा रहे हैं। फार्म भरने के नाम पर भी धोखा किया गया है।

Uturn Time 26 Apr 2026_Layout 2 26-04-2026 00:26 Page 10

किसी भी इमरजेंसी स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल की गई: SDM

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/24 अप्रैल। भारत सरकार की तरफ से जारी निर्देशों के मद्देनजर आज यहां डिप्टी कमिश्नर राजेश धीमान की गाइडेंस में लोकल पुडा मार्केट 100 फीट रोड पर मॉक ड्रिल की गई, जो सफल रही। यह जानकारी सब डिविजनल मजिस्ट्रेट बठिंडा एस. बलकरन सिंह माहल ने दी।

उन्होंने बताया कि रात 8 बजे सायरन बजा, बिजली बंद कर दी गई, लोगों से सहयोग करने और अपनी लाइटें बंद रखने को कहा गया। सायरन बजते ही सभी डिपार्टमेंट हरकत में आ गए। सिविल डिफेंस वॉलंटियर, ठअम्क्रछ टीम, आर्मी टीम, फायर ब्रिगेड, होम गार्ड के जवान और पुलिस बचाव के लिए पहुंच गए। एंबुलेंस और हेल्थ डिपार्टमेंट की टीमें आई और मरीजों/पीड़ितों को तुरंत हॉस्पिटल ले गई। मॉक ड्रिल के दौरान मुश्किल समय में अलग-अलग पहलुओं से निपटने के निर्देश दिए गए। इस बारे में सिविल डिफेंस, मेडिकल टीमों, सिविल और पुलिस डिपार्टमेंट के अधिकारियों को मॉक ड्रिल करके ट्रेनिंग दी गई। उन्होंने कहा कि अगर कोई संकट आता है तो घबराने की जरूरत नहीं है। इस दौरान कंपनी कमांडर सिविल डिफेंस सुखदीप सिंह ने कहा कि भविष्य में जब भी ऐसा सायरन बजे तो आम जनता से अपेक्षा है कि वे यह आवाज सुनते ही ऊंची इमारतों से बाहर निकल आएं और किसी जमीन या जमीन पर स्थित स्थान पर पहुंच जाएं, अगर वहां छत न हो तो वे किसी पेड़ के नीचे बैठ जाएं, जो लोग इमारतों में रह रहे हैं वे खिड़कियों और विशेषकर कांच से दूर रहें। इस मॉक ड्रिल में सिविल व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के अलावा एनडीआरएफ, होमगार्ड, एनसीसी कैडेट्स व युवा सेवाएं सदस्यों ने भाग लिया और अपनी सेवाएं बखूबी निभाई।

पीयू के पी.एच.डी स्कॉलर सरताज सिंह को मिला 'बैस्ट हॉस्टल रेसिडेंट ऑफ दी ईयर' अवॉर्ड

हॉस्टल के 530 विद्यार्थियों में से चुने गए सर्वश्रेष्ठ हॉस्टल रेसिडेंट : शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता के लिए मिला सम्मान

चंडीगढ़/यूटर्न/25 अप्रैल। पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के सेंटर फॉर दी स्टडी ऑफ सोशल इंक्लूजन में राजनीति विज्ञान विषय के पी.एच.डी स्कॉलर सरताज सिंह को सरदार वल्लभभाई पटेल बॉयज हॉस्टल नंबर. 4, पीयू में आयोजित वार्षिक उत्सव के दौरान ह्यबैस्ट हॉस्टल रेसिडेंट ऑफ दी ईयरह्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुशासित जीवनशैली और प्रभावशाली लीडरशिप स्किल्स के लिए प्रदान किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. संजय कौशिक, वाइस चांसलर, गुरुग्राम यूनिवर्सिटी, हरियाणा तथा विशिष्ट अतिथि प्रो. योजना रावत, डीन, यूनिवर्सिटी इंस्ट्रक्शंस, पीयू ने संयुक्त रूप से सरताज सिंह को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। हॉस्टल वार्डन डॉ. नवीन कुमार ने बताया कि प्रत्येक वर्ष हॉस्टल के 530 विद्यार्थियों में से केवल एक छात्र को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार दिया जाता है। उन्होंने कहा कि इस अकादमिक सत्र में सरताज सिंह ने न केवल अपनी पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया बल्कि हॉस्टल में अनुशासन बनाए रखने, विद्यार्थियों के बीच सामंजस्य स्थापित करने और विभिन्न गतिविधियों के सफल आयोजन में भी अहम भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व और सकारात्मक दृष्टिकोण ने पूरे हॉस्टल वातावरण को प्रेरित किया है। इसके साथ ही सरताज सिंह विभिन्न सांस्कृतिक, शैक्षणिक और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते रहे हैं, जिससे वे अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा स्रोत बने हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन और हॉस्टल प्रबंधन ने सरताज की सराहना करते हुए कहा कि उनका समर्पण, नेतृत्व क्षमता और सहयोगी स्वभाव उन्हें इस पुरस्कार का वास्तविक हकदार बनाता है। इस उपलब्धि पर सरताज सिंह ने खुशी जताते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगा। वहीं, चंडीगढ़ के पूर्व मेयर एवं पंजाब यूनिवर्सिटी के वरिष्ठ सीनेट मेंबर, देवेश मौदगिल ने सरताज सिंह को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि कड़ी मेहनत, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सरताज जैसे शोधार्थी न केवल विश्वविद्यालय का नाम रोशन करते हैं, बल्कि अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनते हैं। मौदगिल ने विश्वास जताया कि सरताज सिंह भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

मां बंगलामुखी की उपासना से नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है - एस.एस. खुराना

लुधियाना/यूटर्न/25 अप्रैल। मां बंगलामुखी जयंती के पावन अवसर पर अंसल एस्टेट साउथ सिटी के प्रसिद्ध समाजसेवी एस.एस. खुराना की ओर से पुरानी दंडी स्वामी तपोवन आश्रम में भव्य धार्मिक आयोजन करवाया गया। इस अवसर पर 11 विद्वान ब्राह्मणों द्वारा विधि-विधान के साथ श्री बंगलामुखी बीज मंत्रों का उच्चारण किया गया और मां बगलामुखी की विशेष पूजा-अर्चना करवाई गई। मंत्रोच्चारण के माध्यम से देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और बुराइयों के नाश की कामना की गई।कार्यक्रम के अंत में आरती की गई, जिसमें मां का आशीर्वाद प्राप्त किया।इस अवसर पर एस.एस. खुराना ने अपने संबोधन में कहा कि मां बंगलामुखी की उपासना से नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ती है और लोगों को धर्म एवं संस्कृति से जुड़ने का अवसर मिलता है। खुराना ने आगे कहा कि आज के समय में जब जीवन भागदौड़ और तनाव से भरा हुआ है, ऐसे धार्मिक आयोजन मन को शांति प्रदान करते हैं और समाज में एकता एवं भाईचारे को मजबूत करते हैं।

प्रदेश में शिरोमणि अकाली दल के पक्ष में लहर बनती देख विपक्षी पार्टियों की उड़ी नींद- धरमिंदर टोनी

दलजीत अज्नोहा

कपूरथला/यूटर्न/25 अप्रैल। प्रदेश की राजनीति में तेजी से बदल हे हालातों के बीच शिरोमणि अकाली दल के पक्ष में बन रही मजबूत तहर ने विपक्षी पार्टियों की नींद उड़ा दी है।यह खुलासा शिरोमणि अकाली दल व्यापार विंग के प्रदेश महासचिव धरमिंदर कुमार टोनी पत्रकारों से बात हिट करते हुए किया। धरमिंदर टोनी ने कहा कि आप सरकार के लगातार झूठे वादों और नाकाम नीतियों के कारण लोगों में भारी निराशा पाई जा रही है और अब लोग बदलाव के मूड में हैं।उन्होंने दावा किया कि राज्य के लोग आने वाले पंजाब विधानसभा चुनावों में लोग शिरोमणि अकाली दल के पक्ष में बड़ा फैसला देंगे।उन्होंने कहा कि पार्टी प्रधान सरदार सुखबीर सिंह बादल की गतिशील अगुवाई में पंजाब भर में हो रही रैलियों में बड़े जुटान इस बात का सबूत हैं कि अकाली दल की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।धरमिंदर टोनी ने कहा कि पंजाब में मौजूदा आम आदमी पार्टी की सरकार कानून-व्यवस्था कायम रखने में पूरी तरह नाकाम साबित हो चुकी है।उन्होंने आरोप लगाया कि गैंगस्टरों नशा तस्करों और आपराधिक तत्वों के हौसले दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं,जबकि आम लोग अपनी जान-माल की सुरक्षा को लेकर डर और असुरक्षा के माहौल में जी रहे हैं।उन्होंने कहा कि शिरोमणि अकाली दल ही एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है,जो प्रदेश में कानून व्यवस्था की बहाली,नशों के खात्मे और लोगों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध करवाने के लिए ठोस और पूढ़ नीतियां रखता है उन्होंने आगे कहा कि पंजाब बचाओ सुखबीर बादल लाओ मुहिम के तहत अकाली दल द्वारा यह संकल्प लिया गया है कि 2027 में सरकार बनने पर पंजाब के वरियाई पानी का उपयोग प्रदेश के हित में किया जाएगा और किसानों के हितों की पूरी रक्षा की जाएगी।

पटेल नगर में स्वदेशी मेले का भव्य आगाज, पूर्व मेयर पदमजीत सिंह मेहता ने किया शुभारंभ

पंजाबी गायक आर नैत ने अपनी गायकी से दर्शकों को झूमने पर किया मजबूर

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/24 अप्रैल। बठिंडा के पटेल नगर में स्मृद्ध कुटुंब द्वारा पहली बार आयोजित किए जा रहे स्वदेशी मेले का भव्य शुभारंभ पूर्व मेयर श्री पदमजीत सिंह मेहता ने बतौर मुख्य अतिथि पहुंचकर ज्योति प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम के दौरान स्मृद्ध कुटुंब के अखिल भारतीय संयोजक श्री मोहित गोयल, मेला आयोजक श्री अजय मल्होत्रा, श्री अमित गोयल, श्री सुनील वर्मा, बठिंडा के मेला प्रमुख मैडम वीनू गोयल तथा समाज सेविका मैडम ममता जैन ने श्री पदमजीत सिंह मेहता का गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस दौरान श्री मोहित गोयल और मैडम वीनू गोयल ने मेहता परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इतने बड़े स्तर पर आयोजित इस मेले को सफल बनाने में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के प्रधान श्री अमरजीत मेहता और बठिंडा के पूर्व मेयर श्री पदमजीत सिंह मेहता का पूर्ण सहयोग मिला है। उन्होंने कहा कि बठिंडा के लिए यह गर्व की बात है कि शहर को श्री पदमजीत सिंह मेहता के रूप में सबसे कम उम्र का मेयर मिला, जिन्होंने शहर के विकास और सम्मान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। अपने संबोधन में श्री पदमजीत सिंह मेहता ने कहा कि 'स्वदेशी एक्सपो 2026 के सभी आयोजक बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने इतना सुंदर और प्रेरणादायक मेला आयोजित किया। स्वदेशी' नाम के अनुरूप यह मेला हमें अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का कार्य कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे मेले व्यापार को बढ़ावा देने के साथ-साथ समाज को एक सूत्र में बांधने और पारिवारिक रिश्तों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह मेला न केवल व्यापार और रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है, बल्कि बठिंडा को सांस्कृतिक रूप से भी समृद्ध करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गौरतलब है कि यह स्वदेशी मेला 23 अप्रैल से 3 मई 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। 24 अप्रैल से 3 मई तक पंजाब के प्रसिद्ध गायक अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। शुभारंभ के बाद मशहूर पंजाबी गायक आर नैत ने अपने धमाकेदार गीतों से माहौल को जीवंत कर दिया और दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

शब्दों के महासंग्राम में चमके जी.एच.जी अकैडमी के सितारे

'स्पेल बी' प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/25/अप्रैल। विद्यार्थियों के भाषाई कौशल को निखारने और उनमें प्रतिस्पर्धात्मक भावना जगाने के उद्देश्य से जी.एच.जी अकैडमी, जगरांव के प्रांगण में एक भव्य 'स्पेल बी' (Spell Bee) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन केवल अक्षरों का खेल नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के ज्ञान, एकाग्रता और आत्मविश्वास का एक शानदार उत्सव साबित हुआ।

तीन चरणों में परखी गई प्रतिभा

प्रतियोगिता को और अधिक चुनौतीपूर्ण और रोचक बनाने के लिए इसे तीन विशेष चरणों में विभाजित किया गया था:

प्रथम चरण (श्रुतिलेख): शिक्षक द्वारा उच्चारित कठिन शब्दों की सटीक वर्तनी (Spelling) लिखकर विद्यार्थियों ने अपनी सुनने की क्षमता और स्मरण शक्ति का परिचय दिया।

द्वितीय चरण (शब्द पहेली): इस राउंड में विद्यार्थियों ने 'जंबल्ड वर्ड्स' (उलझे हुए शब्द) को सुलझाया। इसने बच्चों की तार्किक क्षमता और त्वरित निर्णय लेने के कौशल को बखूबी दर्शाया।

तृतीय चरण (रचनात्मक लेखन): अंतिम चरण में विद्यार्थियों ने दिए गए शब्दों का प्रयोग कर अर्थपूर्ण वाक्य बनाए, जहाँ उनकी रचनात्मकता और व्याकरण पर पकड़ देखने को मिली। सर्वांगीण विकास पर जोर इस प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों का उत्साह और अनुशासन रहा। स्कूल प्रबंधन के अनुसार, इस तरह की गतिविधियों का उद्देश्य रटंत विद्या से हटकर विद्यार्थियों के शब्दकोश (Vocabulary), प्रतिक्रिया समय (Response Time) और भाषाई शुद्धता में सुधार करना है।

सफलतापूर्वक समापन

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की गई। प्रतियोगिता ने न केवल बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाया, बल्कि उन्हें भविष्य में भाषा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रेरित भी किया। अंततः, तालियों की गड़गड़ाहट के बीच इस ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। ?शब्द ही वह नींव हैं, जिस पर ज्ञान की इमारत खड़ी होती है। जी.एच.जी अकैडमी का यह प्रयास बच्चों को उसी नींव को मजबूत करने का अवसर देता है।

अमृतसर में चलती बस की छत पर लड़ाई, पुलिस के सामने भी एक दूसरे को पीटते रहे युवक

अमृतसर/यूटर्न/25 अप्रैल। अमृतसर में गोल्डन गेट के पास शनिवार को एक चलती बस की छत पर बैठे कुछ युवकों के बीच अचानक झगड़ा शुरू हो गया। जानकारी के अनुसार, ये युवक प्रवासी थे और गांव-गांव जाकर कपड़े बेचने का काम करते हैं। यात्रा के दौरान किसी बात को लेकर उनके बीच कहासुनी इतनी बढ़ गई कि मामला हाथापाई तक पहुंच गया। बस के अंदर बैठे यात्रियों को जब ऊपर हो रही इस घटना का अंदेशा हुआ, तो तुरंत कंडक्टर को इसकी सूचना दी गई। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए कंडक्टर ने बिना देर किए बस रुकवाई और खुद छत पर चढ़ गया। उसने युवकों को शांत कराने और नीचे उतारने की कोशिश की। इस दौरान भी उनके बीच धक्का-मुक्की व बहस जारी रही, जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया।

पुलिस नाके पर मौजूद, फिर भी नहीं डरे युवक

वहीं, पुलिस नाके पर मौजूद थी, लेकिन युवकों ने बिना डरे झगड़ा जारी रखा। कुछ देर बाद यह मामला पुलिस की निगरानी में आया और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को काबू में किया। संबंधित युवकों के खिलाफ बनती कानूनी कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

Rakul Preet Singh का ग्लैमरस अंदाज वायरल, फैंस बोले - 'स्टाइल और ब्यूटी का परफेक्ट कॉम्बिनेशन'

इस तस्वीर को लेकर फंे४' ढ्रीं३ ऱ्लँ का नाम सोशल मीडिया पर तेजी से ट्रेंड कर रहा है। फैंस इस ग्लैमरस येलो आउटफिट वाले लुक को उनकी स्टाइलिश इमेज से जोड़कर देख रहे हैं। चर्चा है कि यह अंदाज उनके किसी नए फोटोशूट या प्रोजेक्ट की झलक हो सकता है। वहीं, कमेंट सेक्शन में लोग उनके इस बोल्ड और एलिगेंट लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं। इंडस्ट्री में भी इस तरह के ट्रेंडिंग लुक को लेकर हलचल बढ़ गई है।

नई दिल्ली में 'राइड एशिया-EV' के 7वें संस्करण का भव्य आगाज

नई दिल्ली/यूटर्न/25 अप्रैल। प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में 'राइड एशिया-EV' के 7वें संस्करण का शानदार उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव विनम्र मिश्रा (आईएएस) और फिको (फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल ऑर्गनाइजेशन) के प्रधान गुरमीत सिंह कुलार ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह में आयोजक संस्था उड़ान मीडिया एंड कम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक जी.एस. ढिल्लों भी मौजूद रहे।

यह तीन दिवसीय एक्सपो 24 अप्रैल से 26 अप्रैल, 2026 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहन (EV) उद्योग की नवीनतम तकनीकों और उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस वर्ष 300 से अधिक प्रमुख ब्रांड इसमें भाग ले रहे हैं, जो ई-वाहनों के क्षेत्र में अपने अभिनव समाधान और आधुनिक उत्पादों को प्रदर्शित कर रहे हैं।

'राइड एशिया' का उद्देश्य तेजी से विकसित हो रहे ई-वाहन बाजार की झलक पेश करना है, जो नई तकनीक, बदलती उपभोक्ता जरूरतों और उन्नत वितरण प्रणालियों से प्रेरित है। यह मंच उद्योग जगत के विशेषज्ञों, डीलरों, वितरकों और उपभोक्ताओं को एक साथ लाकर संवाद और सहयोग के नए अवसर प्रदान करता है। यह आयोजन न केवल व्यापारिक संभावनाओं को बढ़ावा देगा, बल्कि भारत में ई-वाहनों के भविष्य को भी नई दिशा देने में अहम भूमिका निभाएगा।

साइड देते समय कचरा गाड़ी खेतों में पलटी, बड़ा हादसा टला

डंपिंग ग्राउंड के पास दो घंटे चला रेस्क्यू, जेसीबी से निकाली गई गाड़ी

- कचरा गाड़ी फंसने से लगा लंबा जाम, राहगीरों को हुई परेशानी

जीरकपुर/यूटर्न/25 अप्रैल। बिशनपुरा स्थित डंपिंग ग्राउंड के पास शनिवार दोपहर एक अनियंत्रित कचरा गाड़ी सड़क किनारे खेतों में जा पलटी। गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन व्यस्त मार्ग होने के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। करीब दो घंटे की मशक्कत और दो जेसीबी मशीनों की मदद के बाद गाड़ी को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका।

साइड देने के चक्कर में बिगड़ा संतुलन

मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर करीब दो बजे नगर परिषद की एक कचरा गाड़ी कचरा लेकर बिशनपुरा डंपिंग ग्राउंड की ओर जा रही थी। जैसे ही गाड़ी डंपिंग ग्राउंड के समीप पहुँची, सामने से एक कार आ गई। सड़क संकरी होने के कारण कचरा गाड़ी के चालक कमल ने कार को रास्ता देने के लिए गाड़ी को थोड़ा किनारे किया। इसी दौरान कच्ची पटरी होने की वजह से टायर धंस गए और कचरा भरी भारी-भरकम गाड़ी अनियंत्रित होकर सीधे नीचे खेतों में जा उतरी।

दो जेसीबी से चला रेस्क्यू ऑपरेशन

हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। गाड़ी में कचरा पूरी तरह भरा हुआ था, जिसके वजन के कारण उसे निकालना सामान्य वाहन के बस की बात नहीं थी। सूचना मिलते ही विभाग द्वारा दो जेसीबी मशीनें मौके पर बुलाई गई। काफी मशक्कत के बाद जंजीरों के सहारे गाड़ी को खींचकर वापस सड़क पर लाया गया। चालक कमल ने बताया कि साइड में खड़ी एक अन्य गाड़ी से बचने के प्रयास में यह हादसा हुआ।

राहगीर हुए परेशान, लगा लंबा जाम

कचरा गाड़ी के फंसने और फिर उसे निकालने के लिए किए गए रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान सड़क पर यातायात पूरी तरह बाधित रहा। शनिवार का दिन होने के कारण मार्ग पर वाहनों का दबाव अधिक था। देखते ही देखते सड़क के दोनों तरफ जाम लग गया, जिससे राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस और नगर परिषद के कर्मचारियों ने गाड़ी निकलने के बाद यातायात को सुचारू करवाया।

सामने से आ रही कार को बचाने के चक्कर में गाड़ी सड़क से नीचे उतर गई। शुक्र है कि कोई चोटिल नहीं हुआ, लेकिन भारी कचरा लदा होने के कारण गाड़ी खुद से बाहर नहीं निकल पा रही थी।
- कमल, गाड़ी चालक

विदेश भेजने के नाम पर लाखों की ठगी, महिला समेत तीन के खिलाफ केस दर्ज

जर्मनी भेजने का झांसा देकर 5 लाख ऐंठे, पासपोर्ट भी नहीं लौटाया

जीरकपुर/यूटर्न/25 अप्रैल। विदेश भेजने के नाम पर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें एक महिला एजेंट सहित तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि जर्मनी भेजने का झांसा देकर पीड़ित से लाखों रुपये ऐंठ लिए गए और न तो वीजा लगवाया गया और न ही पासपोर्ट वापस किया गया। शिकायतकर्ता गगनदीप सिंह निवासी बनूड़ ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने जर्मनी जाने के लिए परमिंदर कौर निवासी ग्रीन लोटस सक्षम अपार्टमेंट, जीरकपुर के माध्यम से फाइल लगवाई थी। आरोपी ने कुल 17 लाख रुपये खर्च बताया और 8 लाख रुपये एडवांस मांगे। भरोसा दिलाने के बाद आरोपी ने अलग-अलग किस्तों में पैसे लिए, जिनमें से करीब 5 लाख रुपये के लेन-देन के सबूत भी पेश किए गए हैं।

पीड़ित के अनुसार आरोपी ने जुलाई 2024 में फ्लाइट की तारीख तक दे दी और तैयारी करने को कहा, लेकिन बाद में संपर्क तोड़ लिया और मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिए। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी ने पीड़ित का पासपोर्ट अपने पास ही रख लिया था। मामले की जांच एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (अहतु) द्वारा की गई। जांच रिपोर्ट में पाया गया कि आरोपी महिला अपने घर से ही लोगों को विदेश भेजने के नाम पर ठगी करती थी और उसका कोई अधिकृत इमिग्रेशन दफ्तर नहीं है। जांच के आधार पर पुलिस ने परमिंदर कौर के खिलाफ क्ढउ की धारा 406, 420 और इमिग्रेशन एक्ट की धारा 24 के तहत थाना जीरकपुर में मामला दर्ज कर लिया है। वहीं, मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भीड़ का फायदा उठाकर महिला की सोने की चेन चोरी

जीरकपुर बस स्टैंड पर 2-3 अज्ञात महिलाओं ने वारदात को दिया अंजाम

जीरकपुर/यूटर्न/25 अप्रैल। शहर के सिंहपुरा बस स्टैंड पर भीड़ का फायदा उठाकर एक महिला के गले से सोने की चेन चोरी करने का मामला सामने आया है। घटना उस समय हुई जब पीड़ित महिला अपने बेटे के साथ बस में सवार हो रही थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार राहुल (28), जो एयर फोर्स में कार्यरत है और वर्तमान में संत कृपाल नगर, जीरकपुर में किराये पर रहता है, 23 अप्रैल की सुबह करीब 8 बजे अपने माता-पिता को सिंहपुरा बस स्टैंड पर छोड़ने गया था। उस समय बस स्टैंड पर काफी भीड़ थी। जब उसकी माता मधु बाला और पिता बस में चढ़ रहे थे, तभी 2-3 अज्ञात महिलाएं भी उनके पीछे-पीछे बस में चढ़ गईं। कुछ ही देर बाद जब महिला ने अपने गले को चेक किया तो उसकी सोने की चेन गायब थी। आरोप है कि उक्त महिलाओं ने भीड़ का फायदा उठाकर चेन चोरी की और तुरंत बस से उतरकर एक कार में बैठकर मौके से फरार हो गईं। राहुल ने अपने स्तर पर आरोपियों की तलाश करने की कोशिश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका। उसने बताया कि वह आरोपियों को सामने आने पर पहचान सकता है। सूचना मिलने पर जीरकपुर थाना पुलिस ने शिकायतकर्ता का बयान दर्ज किया। पुलिस ने अज्ञात महिलाओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372